सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अपने नाम किया बड़ा कीर्तिमान, इस मामले में द्रविड़..... -पेजः 7

क्या तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया के साथ रिलेशनशिप किया कन्फर्म? -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 107 | शनिवार 26 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अमित शाह ने भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के लिए पीएम मोदी को दी बधाई

अमित शाह ने कहा कि यह समझौता मेक इन इंडिया के संकल्प को बढ़ावा देता है और हमारे कारीगरों, बुनकरों, कपड़ा, चमड़ा, जूते-चप्पल, रत्न और आभूषण तथा खिलौनों के लिए....

नई दिल्ली (एजेंसी): केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। अमित शाह ने कहा कि भारत ने वैश्विक व्यापार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया, यह प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव और संभावनाओं का क्षण है। भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की उपस्थिति में, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और व्यापार एवं वाणिज्य राज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। केन्द्रीय गृह अमित शाह ने भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने पर पीएम मोदी को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि भारत ने वैश्विक व्यापार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया है और यह प्रत्येक नागरिक के लिए गौरव और संभावनाओं का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह संधि प्रधानमंत्री मोदी जी की जन-केंद्रित व्यापार कूटनीति का प्रमाण है, जो 95% कृषि निर्यात पर शुल्क माफ कर हमारे किसानों के लिए समृद्धि के नए युग की शुरूआत करती है और 99% समुद्री निर्यात पर शून्य शुल्क के साथ हमारे मछुआरों को लाभ पहुंचाती है। अमित शाह ने कहा कि यह समझौता मेक इन इंडिया के संकल्प को बढ़ावा देता है और हमारे कारीगरों, बुनकरों, कपड़ा, चमड़ा, जूते-चप्पल, रत्न और आभूषण तथा खिलौनों के लिए व्यापक बाजार खोलकर हमारे स्थानीय उत्पादों का वैश्वीकरण कर उनकी क्षमता को नई ऊंचाई पर पहुंचाता है आपको बता दें, यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और आर्थिक एकीकरण को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। दुनिया की क्रमशः चौथी और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और ब्रिटेन के द्विपक्षीय संबंध वैश्विक आर्थिक महत्व रखते हैं। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर 6 मई 2025 को घोषित वार्ता के सफल समापन के बाद हुए हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 56 अरब अमेरिकी डॉलर का है, जिसे 2030 तक दोगुना करने का संयुक्त लक्ष्य है। ज्ञात हो, सीईटीए ने ब्रिटेन को भारत के 99% निर्यात के लिए अभूतपूर्व शुल्क-मुक्त पहुंच सुनिश्चित की है, जो लगभग पूरे व्यापार क्षेत्र को कवर करता है। इससे कपड़ा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, खिलौने और रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों के साथ-साथ इंजीनियरिंग सामान, ऑटो कंपोनेंट और जैविक रसायन जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है। गौरतलब हो, भारतीय अर्थव्यवस्था के एक मजबूत चालक, सेवा क्षेत्र को भी व्यापक लाभ प्राप्त होंगे। यह समझौता आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय और कानूनी सेवाओं, पेशेवर और शैक्षिक सेवाओं, और डिजिटल व्यापार में बेहतर बाजार पहुँच प्रदान करता है। भारतीय पेशेवर, जिनमें ब्रिटेन में सभी सेवा क्षेत्रों में काम करने के लिए कंपनियों द्वारा तैनात पेशेवर, आर्किटेक्ट, इंजीनियर, शेफ, योग प्रशिक्षक और संगीतकार जैसे अनुबंध पर तैनात पेशेवर शामिल हैं, सरल वीजा प्रक्रियाओं और उदार प्रवेश श्रेणियों से लाभान्वित होंगे

सावरकर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को एससी से मिली राहत, अदालत ने समन पर रोक का अंतरिम आदेश रखा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में दर्ज आपराधिक मामले में सुनवाई पर लगी रोक को आगे बढ़ दिया है। साल 2022 में कांग्रेस नेता ने विनायक दामोदर सावरकर पर टिप्पणी की थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले में स्थगन की मांग को स्वीकार करते हुए सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी है। समाज में घृणा फैलाने के उद्देश्य से दिया गया था बयानः यूपी सरकार उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने अदालत को बताया कि राज्य ने राहुल गांधी की याचिका का जवाब दाखिल कर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अदालत को कहा कि अधिवक्ता नृपेन्द्र पांडे द्वारा दर्ज की गई शिकायत सही है। राहुल गांधी के बयान समाज में घृणा फैलाने के उद्देश्य से दिए गए थे। बता दें कि 25 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि राहुल गांधी की टिप्पणी गैर-जिम्मेदाराना है। आजादी के सेनानियों का उपहास नहीं किया जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

अखिलेश यादव के मस्जिद में बैठक पर गहराया विवाद, अब इस मुस्लिम संगठन ने कर दी बड़ी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी): संसद मार्ग स्थित मस्जिद में समाजवादी पार्टी मुख्य अखिलेश यादव द्वारा बैठक लेने के मामले में विवाद गहरा गया है। भाजपा के बाद मुस्लिम संगठनों ने भी आपत्ति जताई है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिरला तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर संसद मार्ग स्थित मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी को उनके पद से हटाने की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बैठक को इस्लाम विरुद्ध तथा मस्जिद की पवित्रता भंग करने का आरोप लगाया है। पत्र में कहा गया है कि मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी ने हाल ही में समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ मस्जिद के भीतर एक राजनीतिक बैठक की। जिसमें पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, सांसद रामगोपाल यादव, जिया उर रहमान बर्क और अन्य नेताओं ने भाग लिया। संगठन का कहना है कि मस्जिद जैसे पाक स्थल का राजनीतिक उपयोग कर उसकी पवित्रता को भंग किया गया है। मौलाना रजवी ने अपने पत्र में लिखा कि मस्जिद के भीतर केवल इबादत की इजाजत होती है, न कि किसी राजनीतिक गतिविधि की। उन्होंने यह भी कहा कि मस्जिद में केवल पाक लोग ही प्रवेश कर सकते हैं, जबकि मीटिंग में कुछ लोग अशोभनीय वस्त्र पहनकर आए, और महिलाओं ने भी भाग लिया, जो इस्लामिक परंपराओं के विरुद्ध है। संगठन का कहना है कि मस्जिद का इस्तेमाल मुसलमानों की आस्था का प्रतीक है और इस तरह की घटनाएं संप्रदाय विशेष की भावनाओं को आहत करती हैं। इसी कारण उन्होंने मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी को इमाम के पद से हटाने और भविष्य में किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़े व्यक्ति को इमाम न बनाने की मांग की है। पत्र में यह भी कहा गया है कि अगर इस पर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे समुदाय की भावनाएं आहत होंगी और मस्जिद की गरिमा पर प्रश्नचिन्ह लगेगा।इस मामले को लेकर अब धार्मिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। लोकसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री की ओर से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसके पूर्व इस बैठक पर भाजपा ने भी कड़ी आपत्ति जताई थी। तथा सपा अध्यक्ष पर सांप्रदायिक सियासत करने का आरोप लगाया था।

लोकतंत्र का हो रहा शुद्धिकरण, बिहार में एसआईआर पर चुनाव आयोग को मिला विहिप का साथ; देशभर में लागू करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी): बिहार में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग विपक्ष के निशाने पर है। लगातार चुनावों में मिल रही कांग्रेस पार्टी तथा उनके इंडी गठबंधन को हार का ठीकरा वह चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं। वहीं, देश के बड़े संगठन विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इस मामले में चुनाव आयोग के बिहार में एसआईआर की सराहना करते हुए साथ खड़ी हुई है। आगे बढ़कर मांग की है कि इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। विहिप ने कहा, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का शुद्धिकरण हो रहा है। यह पूरे देश में होना चाहिए। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि गहन जांच कर मतदाता सूचियों को शुद्ध करना चुनाव आयोग का ना सिर्फ अधिकार बल्कि कर्तव्य भी है। जो लोग इस राष्ट्रीय कार्य में अवरोध बन रहे हैं उनकी मानसिकता को देश भली भांति समझ रहा है। वे सभी वही हैं जो विदेशियों और घुसपैठियों के बल पर अभी तक राज्य सत्ता या राजनीति पर अनधिकृत तरीके से कब्जा जमाए बैठे हैं। आंख मूंदकर विदेशियों और अवैध घुसपैठियों को मतदाता सूची में शामिल करने या उन्हें जारी रखने से भारतीय लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक स्थिति बनती जा रही थी, जिसका निदान चुनाव आयोग ने किया है। अब इस शुद्धि आंदोलन के विरोधियों को यह डर सता रहा है कि घुसपैठिए गए तो वे भी गए..!! किंतु बिहार ही नहीं, संपूर्ण भारत की मतदाता सूचियों को विशुद्ध रूप से भारतीय बनाया जाना बहुत आवश्यक है। हमें आशा है कि चुनाव आयोग इस पावन राष्ट्रीय कार्य को द्रुत गति प्रदान विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को घुसपैठियों से मुक्त करेगा। बंसल ने कहा कि कुछ लोकतंत्र विरोधी दल ये यह तो राग अलाप रहे हैं कि बिहार की नई वोटर लिस्ट से इतने लाख वोटर निकल गए लेकिन वे यह क्यों नहीं बता रहे कि खदेड़े गए सभी लोग या तो फर्जी वोटर थे, या डुप्लीकेट और या फिर विदेशी घुसपैठिए। यदि कोई वास्तविक वोटर किसी भूलवश आउट हुआ भी हो, तो उसे आसानी से पुनः मतदाता सूची में शामिल किया जा सकता है। आज सभी राजनैतिक दलों की यह जिम्मेदारी है कि वे चुनाव आयोग के इस कदम में सहयोगी बनकर नई सूचियों की जांचकर उसमें यदि कोई न्यूनता हो तो उसे समय से ठीक कराएं, ना कि संवैधानिक संस्था पर हमला कर जनता की परेशानी का कारक बनें।

झालावाड़ स्कूल हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, घायल बच्चों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की

नई दिल्ली (एजेंसी): राजस्थान के झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव में आज शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल की छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में कुछ बच्चों की मौत और 20 से ज्यादा बच्चों के घायल होने की खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, झालावाड़ के एक स्कूल में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रशासन पीड़ितों को हर संभव मदद पहुंचा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हादसे को बेहद पीड़ादायक बताया और दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ईश्वर शोक-संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति दें। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी इस हादसे को हृदयविदारक बताया और घायल बच्चों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि जनहानि की यह खबर बेहद दुखद है और इससे पूरा प्रदेश शोक में डूबा है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने हादसे की गहराई से जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर स्कूल भवन में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है, तो दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राज्य सरकार और जिला प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

'ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी', सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने देश के सैनिकों को क्या दी सलाह?

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में उन्होंने सेना को शस्त्र और शास्त्र दोनों सीखने की आवश्यकता बताई।

नई दिल्ली (एजेंसी): चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी के दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना को शस्त्र (युद्ध) और शास्त्र (ज्ञान) दोनों सीखना आवश्यक है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरूआत की थी। भारतीय सेना ने 7 मई की रात गुलाम कश्मीर और पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। सेना के मुताबिक, इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। आज का युद्ध केवल बंदूक और टैंक तक सीमित नहींः सीडीएस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने आधुनिक युद्ध की बदलती रणनीतियों पर भी अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि आज की लड़ाइयां पारंपरिक सीमाओं में नहीं सिमटी है। आज के समय में युद्ध पारदर्शी, तीव्र, बहु क्षेत्रीय और तकनीकी रूप से बेहद जटिल हो गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज का युद्ध केवल बंदूक और टेंक तक सीमित नहीं रह गया है। सीडीएस ने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में एक योद्धा को सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तरों पर एक साथ दक्ष होना होगा। उन्हें थल, जल, वायु के साथ-साथ साइबर और कॉग्निटिव वारफेयर जैसे नए युद्ध क्षेत्रों में भी सक्षम होना पड़ेगा। सीडीएस ने कन्वर्जेंस वॉरफेयर का किया जिक्र जनरल चौहान ने कन्वर्जेंस वॉरफेयर शब्द का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में काइनेटिक और नॉन काइनेटिक (पारंपरिक और डिजिटल) युद्ध एक-दूसरे से घुलमिल रहे हैं। पहली और दूसरी पीढ़ी के युद्ध आज तीसरी पीढ़ी के साइबर और अकआधारित युद्ध से सम्मिलित हो चुके हैं। जनरल चौहान ने भविष्य में युद्ध के स्वरूप का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे 'हाइब्रिड वॉरियर' की जरूरत होगी जो बॉर्डर पर लड़ सके, रेगिस्तान में रणनीति बना सके, शहरों में काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशन चला सके, ड्रोन को निष्क्रिय कर सके, साइबर हमलों का जवाब दे सके।

भाजपा अध्यक्ष बनेंगे या उपराष्ट्रपति? मनोहर खट्टर को लेकर बड़ा फैसला, खुद दिया हैरान कर देने वाला जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): देश की राजनीति एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी है। एक तरफ उपराष्ट्रपति का अहम संवैधानिक पद खाली हो चुका है, दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी को अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश है। दोनों ही जिम्मेदारियाँ देश की राजनीतिक दिशा तय करने वाली हैं - और हैरानी की बात ये कि दोनों के केंद्र में सिर्फ एक नाम लगातार गूंज रहा है - मनोहर लाल खट्टर, एक संघ प्रशिक्षित, प्रशासनिक अनुभवी और संगठन के पुराने सिपाही। अब सवाल उठता हैः क्या खट्टर को मिलेगा संविधान की निगरानी करने वाला उच्चतम पद, या फिर वो बीजेपी के सांगठनिक पुनर्गठन के अगुआ बनेंगे? राजनीतिक हलकों में इस चर्चे ने गर्मी बढ़ा दी है और जवाब खुद खट्टर ने अपने खास अंदाज में दिया है। एक न्यूज चैनल के एक कार्यक्रम में उन्होंने इस बहुप्रतीक्षित सवाल का जवाब देकर सियासी गलियारों में हलचल और बढ़ा दी है।

खट्टर का बयानः पद नहीं, जिम्मेदारी मायने रखती है

जब उनसे पूछा गया कि अगर उन्हें बीजेपी अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति में से किसी एक को चुनना हो, तो वो क्या चुनेंगे? खट्टर ने स्पष्ट कहा, मैं चुनाव नहीं करता, जो जिम्मेदारी मिलती है, उसे निभाता हूं। कोई पद बड़ा या छोटा नहीं, केवल सेवा का माध्यम है।

खट्टर के पास क्यों हैं दोनों पदों की 'चाबी'?

खट्टर आरएसएस के पुराने प्रचारक रहे हैं। संगठनात्मक अनुभव और विचारधारा में गहराई उनके पक्ष में जाती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में दो कार्यकाल और अब केंद्रीय मंत्री के तौर पर प्रभावी कार्य उन्हें एक मजबूत चेहरा बनाता है। बीजेपी के कोर नेताओं में गिने जाते हैं, जो उत्तर भारत में पार्टी को मजबूती देने में सफल रहे हैं।

देश की राजनीति एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी है। एक तरफ उपराष्ट्रपति का अहम संवैधानिक पद खाली हो चुका है, दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी को अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश है।

उपराष्ट्रपति पद पर नया मोड़ क्यों?

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया। उन्होंने इसके पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया, लेकिन अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि एक संवेदनशील राजनीतिक मुद्दे पर सरकार की रणनीति के उलट विपक्ष का पक्ष लेने से पार्टी में असहजता बढ़ गई थी। खट्टर ने भी इस पर परोक्ष टिप्पणी करते हुए कहा, ह्लसरकार पर भरोसा न करते हुए विपक्ष के प्रस्ताव को स्वीकार करना सही नहीं था।ह्व

बीजेपी अध्यक्ष की तलाश और जातीय संतुलन

जेपी नड्डा के केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद भाजपा नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की खोज में है। इसमें न केवल अनुभव और लोकप्रियता देखी जा रही है, बल्कि जातीय समीकरण, उत्तर-दक्षिण संतुलन, और आने वाले समय में होने वाली जनगणना व परिसीमन को भी ध्यान में रखा जा रहा है। खट्टर उत्तर भारत से हैं, लेकिन उनका संगठन पर प्रभाव उन्हें राष्ट्रीय संतुलन के लिए उपयुक्त बनाता है। तमिलनाडु, केरल जैसे राज्यों में जहां पार्टी को विस्तार की जरूरत है, वहां भी एक संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता महसूस हो रही है।

संपादकीय

सवाल भारत की साख का

भारतीय खिलाड़ियों में जैसी क्षमता दिखती है, उससे उम्मीद है कि देश वैश्विक खेल परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण स्थान बना लेगा। मगर इसके बरक्स जिस तरह डोपिंग के मामले बढ़ रहे हैं, वह चिंता का विषय है। गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे के समय अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद ने डोपिंग में देश के खराब रिकार्ड पर चिंता जताई है। दरअसल, भारत पिछले महीने विश्व डोपिंग रोधी एजंसी के 2023 के जांच आंकड़ों में उन देशों में शीर्ष पर था, जिन्होंने पांच हजार या उससे ज्यादा नमूनों की जांच कराई थी, जबकि इसमें प्रतिबंधित पदार्थों का फीसद 3.8 दर्ज किया गया। ज्यादातर खेलों में डोपिंग की समस्या है। मगर दौड़ और कुश्ती में यह निराशाजनक है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजंसी की निलंबित खिलाड़ियों की सूची बताती है कि अन्य खेलों के मुकाबले कुश्ती में डोपिंग के सबसे अधिक उन्नीस मामले हैं। इनमें अगर पांच खिलाड़ी नाबालिग हैं, तो इससे साफ है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन नहीं मिला और उन्होंने गलत कदम उठा लिया। लिहाजा अब यह सोचना होगा कि ऐसे खिलाड़ी सिर्फ खेल भावना के साथ देश के लिए खेलें और कुछ भी ऐसा न करें, जिससे उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़े। कोई भी कामयाबी आत्मविश्वास और अनुशासन से ही मिलती है। हमारे खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और लक्ष्य का संधान कर भारत का गौरव बढ़ाया है। मगर जल्द से जल्द शोहरत-सम्मान पाने की भूख चंद खिलाड़ियों को गलत रास्ते पर ले जा रही है। यह सही है कि किसी भी प्रतियोगिता में खिलाड़ी पदक के दावेदार के तौर पर सामने आते हैं, लेकिन विजेताओं को आर्थिक लाभ के साथ सरकारी नौकरियां मिलने से उनकी मानसिकता पर असर पड़ा है। दूसरी ओर उन्हें गुमराह करने वाले भी मिल जाते हैं। नतीजा यह है कि जानते-बूझते हुए भी वे गलत राह अपना लेते हैं। ऐसे में कोच का भी दायित्व है कि वे खिलाड़ियों के भीतर जागरूकता पैदा करें। फिलहाल एक बड़ा कदम भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी परिषद ने उठाया है। उसने एक पैनल का गठन कर स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

जुलाई 11- 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया। इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। ह्लदोषी को सजा मिलनी चाहिएह्व-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन ह्लनिर्दोष को दंड न मिलेह्व-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर ह्यनतीजे पहले, जांच बाद मेंह्व का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने। एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि ह्यजब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।ह्व दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है। यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है।...

कारगिल युद्ध के नायकों के शौर्य और वीरता को नमन

योगेश कुमार गोयल

जुलाई 26 को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्व के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्व की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्व की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्यये दिल मांगे मोरह्व तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मोदी की मालदीव यात्रा से हिंद महासागर में फिर मजबूत हुई भारत की पकड़, चीन की बेचैनी बढ़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा केवल एक औपचारिक राजकीय दौरा नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक बिसात पर भारत की चतुर कूटनीति, रणनीतिक धैर्य और नेतृत्व क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन भी है। यह यात्रा इस प्रश्न का उत्तर भी है– कि कैसे भारत ने 'चीन की गोद में जाते' मालदीव को फिर से अपने पक्ष में मोड़ लिया।

हम आपको याद दिला दें कि 2023 में जब मोहम्मद मुइज्जू सत्ता में आए, तो उन्होंने खुलकर "India Out" अभियान का समर्थन किया और भारतीय सैन्य उपस्थिति पर सवाल उठाए। उनकी शुरूआती विदेश यात्राएं भी संकेत दे रही थीं कि मालदीव अब चीन के करीब जा रहा है। लेकिन भारत ने जल्दबाजी में कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। इसके विपरीत, उसने "Engagement over Escalation" (संवाद, न कि टकराव) की नीति अपनाई। भारत ने रक्षा कर्मियों को तकनीकी विशेषज्ञों से बदला, जिससे मालदीव की 'संप्रभुता' की चिंता को दूर किया गया, लेकिन रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखी गई। साथ ही विकास परियोजनाओं को बिना शोर के आगे बढ़ाया गया जिससे आम जनता को भारत की भूमिका का सकारात्मक प्रभाव दिखता रहा। इसके अलावा, आर्थिक मदद जैसे 30 अरब रुपये की ऋण सुविधा, करेंसी स्वैप और ट्रेजरी बिलों से मालदीव की डूबती अर्थव्यवस्था को सहारा दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, राजनीतिक और पार्टी-स्तरीय जुड़ाव को फिर से शुरू किया गया, जिससे भारत और मालदीव के बीच बहुस्तरीय संपर्क बने रहें।

इसके अलावा, 2024-25 में भारत ने नई परियोजनाएं घोषित करने की बजाय पूर्ववर्ती विकास कार्यक्रमों को तेजी से पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट जैसे विशाल निर्माण कार्य इसके उदाहरण हैं। इनका न केवल आर्थिक, बल्कि रणनीतिक महत्व भी है क्योंकि ये चीन समर्थित बंदरगाह-राजनीति के विकल्प प्रस्तुत करते हैं।

देखा जाये तो भारत की नीति में जबरदस्त कूटनीतिक परिपक्वता थी। भारत ने मुइज्जू की ओर से उकसाने के बावजूद भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के साथ अपने कदम आगे बढ़ाये। प्रधानमंत्री मोदी जब मालदीव पहुँचे तो उनके स्वागत के

लिए उमड़ी जनता और अगवानी के लिए पहुँचे मुइज्जू की खुशी देखने लायक थी। हम आपको बता दें कि मालदीव जैसे राष्ट्र में यह परंपरा नहीं रही कि राष्ट्रपति स्वयं एयरपोर्ट पर किसी राष्ट्राध्यक्ष की अगवानी करें। मुइज्जू का प्रधानमंत्री मोदी को हवाई अड्डे पर व्यक्तिगत रूप से रिसीव करना कई गहरे संदेश देता है। जैसे- यह "India Out" अभियान से पूरी तरह यू-टर्न है। अब राष्ट्रपति खुद भारत के सर्वोच्च नेता के स्वागत में खड़े हैं। इसके अलावा, मुइज्जू यह दिखाना चाहते हैं कि अब भारत के साथ सहयोग राष्ट्रहित में है। यह संकेत देशवासियों के लिए है कि भारत शत्रु नहीं, सहायक है। यह कूटनीतिक संकेत भी है कि भारत, अब भी मालदीव की विदेश नीति में सर्वोपरि है, चाहे चीन ने कितनी भी कोशिश की हो।

इसके अलावा, मालदीव की राजधानी माले में, भारत की मदद से बने रक्षा मंत्रालय भवन पर प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर प्रदर्शित होना भी अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। यह न केवल भारत की रक्षा सहायता की स्थायित्व को दर्शाता है, बल्कि यह मालदीव की जनता को दिखाता है कि चीन कर्ज देता है लेकिन भारत सुरक्षा और स्थिरता देता है। देखा जाये तो यह भारत की Soft Power की जीत है, जो किसी भी सैन्य हथियार या बंदरगाह समझौते से अधिक प्रभावशाली साबित हुई है।

मोदी की मालदीव यात्रा से पड़ने वाले असर को देखें तो इसने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब भी मालदीव की रणनीतिक प्राथमिकता है। साथ ही श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी भी देख रहे हैं कि भारत बिना धमकाए, बिना ऋणजाल के, सहयोग और स्थिरता का मार्ग प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, मालदीव की भौगोलिक स्थिति हिंद महासागर की व्यापक सामरिक निगरानी के लिए महत्वपूर्ण है। मोदी की यात्रा के बाद भारत की मौजूदगी और वैधता वहाँ स्थिर और वैधानिक हो गई है– यह चीन के लिए एक रणनीतिक अवरोध है।

हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री गैर-MDP सरकार द्वारा आमंत्रित होकर स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर 'मुख्य अतिथि' बना है। यह न केवल आपसी सम्मान का परिचायक है, बल्कि यह भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति की सफलता का भी प्रमाण है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यह राजकीय यात्रा किसी शासनाध्यक्ष की पहली राजकीय यात्रा भी है, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति मुइज्जू नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से कर रहे हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मालदीव में एक परम्परा रही है कि नया राष्ट्रपति बनने वाला व्यक्ति पहला दौरा भारत का करता है लेकिन मुइज्जू ने सबसे पहला दौरा तुर्की का किया था उसके बाद वह संयुक्त अरब अमीरात गये थे। उसके बाद उन्होंने चीन की बहुप्रचारित यात्रा भी की थी लेकिन उन्हें जब दूसरों के कर्ज जाल और भारत की निस्वार्थ मदद के बीच का अंतर समझ आया तो पिछले साल उन्होंने दो बार भारत का दौरा किया था और अब उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को राजकीय यात्रा पर आमंत्रित किया तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

इस तरह देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा एक प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण घटना है। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों में आई खटास के बाद एक 'रीसेट' का संकेत देती है, बल्कि यह दिखाती है कि भारत किस तरह अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को दीर्घकालिक दृष्टि से संभालता है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा न केवल 60 वर्षों के द्विपक्षीय संबंधों का उत्सव है, बल्कि आने वाले दशकों की दिशा भी तय करती है। भारत और मालदीव के संबंध अब केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक साझेदारी नहीं हैं– वे समुद्री सुरक्षा, विकास, और क्षेत्रीय संतुलन के मजबूत स्तंभ बनते जा रहे हैं। यह यात्रा एक स्पष्ट संकेत देती है कि भारत, आलोचना से विचलित हुए बिना, अपने पड़ोस में स्थिरता और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। और यही किसी भी परिपक्व वैश्विक शक्ति की सबसे बड़ी पहचान होती है।

चोरी की फिराक में घुम रहे अन्तर्जनपदीय गिरोह के 04 शातिर चोर गिरफ्तार

कब्जे से थाना रजबपुर क्षेत्र में चोरी की चोरी की विभिन्न घटनाओं से सम्बन्धित सोने व चांदी के आभूषण, एक लाख चालीस हजार रू. अवैध असलहे तथा चोरी के उपकरण बरामद

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने चोरी की फिराक में घुम रहे अन्तर्जनपदीय आपराधिक गिरोह के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से थाना रजबपुर क्षेत्र में चोरी की अलग अलग घटनाओं से सम्बन्धित सोने व चांदी के आभूषण (अनुमानित कीमत लगभग 04 लाख रु0) व 1,40,000/- रू0 नगद, अवैध असलहे तथा चोरी में प्रयोग किए जाने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। गुरुवार रात्रि को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि रात्रि में शकरपुर अंडरपास के कुछ अज्ञात लोग घुम

रहे हैं। जिसकी पुलिस के द्वारा घेराबन्दी करने पर चार अभियुक्त तस्लीम उर्फ डब्बू पुत्र कुतुब खां निवासी ग्राम गुआनगला थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद, सज्जाद पुत्र दिलावर निवासी ग्राम राजा का सहसपुर थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद, वकील पुत्र अजहर निवासी महमूदनगर थाना असमौली जनपद सम्भल व मुसाहिद उर्फ आडवानी पुत्र मेहराब निवासी माली वाली बगिया गुरैठा रोड पाकबाडा जिला मुरादाबाद हाल निवासी ग्राम मुबारकपुर उर्फ मुकरर्बपुर थाना नौगाँवा सादात जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद चारों से पुलिस के द्वारा पूछताछ की गई तो पता चला कि यह बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी है जो गिरोह बनाकर चोरी करते है तथा पूर्व में कई बार डकैती/लूट/चोरी के मुकदमों में जेल जा चुके है । अभियुक्तगण गांव के बाहर खेतों या किनारों पर बने घरों को टारगेट करते हैं तथा साथ में अवैध असलाह लेकर चलते है व चोरी का सामान बेचकर पैसे आपस में बराबर बांट लेते है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा कुछ दिन पूर्व साथ मिलकर ग्राम जगुआ खुर्द में चोरी करना व चोरी किये हुए माल को आपस में बराबर बांट लेना तथा चोरी का अन्य सामान व शाहरुख उर्फ सारिफ पुत्र असलम निवासी मालीबाली बगिया थाना पाकबाडा जनपद मुरादाबाद को देना बताया गया। गिरफ्तार अभियुक्त तस्लीम द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ग्राम बागडपुर में चोरी की गयी थी जिसके अन्य साथी तीन जुलाई को थाना रजबपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये जा चूके है । अभियुक्गण चोरी किये हुए सामान को दिल्ली बेचनें जानें की फिराक मे थे। परन्तु पुलिस टीम द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ज्ञात रहे कि गिरफ्तार अभियुक्त वकील, तस्लीम उर्फ डब्बू व मुसाहिद बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी है जिनके विरुद्ध जनपद मुरादाबाद, सम्भल, रामपुर व अमरोहा आदि में डकैती, लूट, चोरी, गौवध अधि0, डैकती की योजना बनाना, अवैध असलहा रखने से सम्बन्धित 20-20 से ज्यादा अभियोग पंजीकृत है।वही पुलिस अधीक्षक के द्वारा थाना रजबपुर/एसओजी/सर्विलांस टीम के द्वारा खुलासा करने पर 20,000/- रुपये नकद पुरस्कार से पुरुस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया है।

नौगांव सादात में कारगिल दिवस पर भाजपाइयों ने शहीदों को किया नमन

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- भाजपा के शीर्ष व जिला नेतृत्व के निदेर्शानुसार आज नौगावां सादात विधानसभा क्षेत्र के ग्राम यूसुफपुर मजरा आलमपुर कैंच में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक व पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारीयों ने भारत मां के अमर वीर सपूत शहीद अरविंद कुमार के स्मारक की साफ सफाई कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा उनके चरणों में पुष्प अर्पित किए इसके तत्पश्चात सभी भाजपाइयों ने भारत माता की जय ,शहीद अरविंद कुमार अमर रहे का जय घोष किया। वीरेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि कारगिल युद्ध में दुश्मन को करारा जवाब देते हुए देश के लिए अपनी जान न्योछावर करने वाले हम ऐसे वीर सपूतों के उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते है। उनको शत शत नमन करते हैं। हमें हमेशा अपने वीर जवानों पर गर्व रहेगा। इस अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, जिला सहसंयोजक मोनू सैनी, धर्मवीर गिहार , अनिल शर्मा,ऋषभ कुमार, पवन कुमार जाटव आदि मौजूद रहे

भाकियू शंकर का डिडौली क्षेत्र के इकौंदा में बाजार स्थल पर अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन

अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को डिडौली थाना क्षेत्र के इकौंदा बाजार स्थल पर भारतीय किसान यूनियन शंकर का धरना प्रदर्शन दोपहर 12:00 बजे से चौधरी नवलवीर सिंह की अध्यक्षता व सत्यवीर सिंह के संचालन में हुआ जिसमें जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा कि संगठन अमेरिका में गायों को मांसाहार खिलाना अप्राकृतिक कृत्य, है इसकी घोर निंदा करता है भारतवासी किसी भी सूरत में मांसाहारी अमेरिकी दूध और कृषि उत्पाद भारत नहीं आने देंगे!! अमरोहा : अमेरिका द्वारा अपने दूध और कृषि उत्पादों को जबरन भारत में बेचने की कोशिशों के विरोध में पांचवें दिन भी धरना जारी रहा। गायों को मांसाहार खिलाने की अमेरिकी कृत्य की घोर निंदा की गई। अमेरिका के उत्पादों को भारत में मंगाए जाने के विरोध में उतर आए हैं। सभी क्षेत्रवासियों ने एक स्वर में कहा कि किसी भी देश में गायों को मांसाहार खिलाया जाना पूरी तरह से अप्राकृतिक कृत्य है। गाय मूलतः शाकाहारी है और शाकाहारी रहते हुए ही वह प्रकृति के पर्यावरणीय चक्र में सहयोग कर सकती है, अन्यथा प्राकृतिक असन्तुलन पैदा हो जाएगा, जिसके दुष्परिणाम पूरी पृथ्वी को भुगतने पड़ेंगे। दुर्भाग्य से अमेरिका व यूरोपीय देश यह कुकृत्य कर रहे हैं, इसी कारण उनके डेयरी और कृषि उत्पादों से सारी दुनिया में नई-नई बीमारियों और महामारियों के खतरे पैदा हो रहे हैं। उनका पूर्ण बहिष्कार होना चाहिए। जिला संरक्षक चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि भारत ने सदैव कुदरत और कुदरती नियमों का पालन किया है, इसीलिए भारत को देवभूमि कहा गया है, लेकिन अमेरिका जबरन यह समझौता कराकर भारत की सभ्यता, संस्कृति को नष्ट करना चाहता है। पूरी पृथ्वी और मानवता को खतरे में डालना चाहता है। इसका उग्र विरोध किया जाएगा। अंत में अध्यक्षता कब है नवलवीर सिंह ने कहा कि संगठन 31 जुलाई तक प्रदेश भर में जन जागरण अभियान चलाकर एक बड़ा आंदोलन होगा, आज धरने मे नरेश सिंह समरपाल सैनी विक्रम पवार चंद्रपाल सिंह गुरबचन सिंह पीतम सिंह राजवीर सिंह महीपाल सिंह मोजीरामपाल नीरज कुमार सतपाल सिंह ज्ञान सिंह मुन्नू चौधरी विपिन कुमार मुकेश कुमार राकेश रतनपुर आफताब मोनू चौधरी अनिल चौधरी सत्येंद्र सिंह नन्हे सिंह अफसर जागेश देवी नीरज देवी सुनीता इंसा राधा रानी शशि रानी आदि सैकड़ो किसानमौजूद रहे।

अनुसूचित जाति के युवाओं उद्यमिता के लिए मिला स्वरोजगार: सीडीओ

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पी०एम०-अजय के घटक ग्रान्ट-इन-एड योजना अन्तर्गत ग्रामीण / शहरी क्षेत्रों के अनुसूचित जाति के व्यक्तियों के लिए स्वरोजगार हेतु संचालित की गयी है जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जाति के युवाओं के लिये उद्यमिता विकास के माध्यम से विभिन्न उपयोगी परियोजनाओं की स्थापना समूह / क्लस्टर के माध्यम से चयन करते हुए परियोजना के सफल संचालन हेतु निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण सम्बन्धित परियोजना के अनुसार दिया जायेगा, योजनान्तर्गत प्रति लाभार्थी रू0-50,000/- अथवा परियोजना लागत का 50 प्रतिशत जो भी कम हो अनुदान के रूप में होगा, जिसमें लाभार्थी का

अंश परियोजना लागत का 05 प्रतिशत होगा तथा शेष बैंक ऋण के रूप में होगा। योजना का क्रियान्वयन जिला स्तर पर कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) / जिला प्रबन्धक उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से किया जायेगा। अनुसूचित जाति वर्ग के जनपद के स्थाई निवासी जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष तक पुरुष / महिला जोकि साक्षर हो, जिनके द्वारा निगम द्वारा पूर्व में संचालित योजनाओं में बकायेदार न हो तथा ओटीएस के माध्यम से ऋण की अदायगी न की हो, और आय की कोई सीमा निर्धारित नहीं है किन्तु रू0-2.50 लाख तक वार्षिक आय वाले परिवारों को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। उक्त अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी राज्य से अनुमोदित निम्नांकित परियोजाओं यथा बुटीक, ब्यूटी पार्लर, सोलर पैनल इन्स्टलैशन टेक्नीशियन, लाजिस्टिक वाहन चालक, कीआस्क/किराना दुकान / जनरल स्टोर, फोटोग्राफर / वीडियोग्राफर, आटो / ई रिक्शा, मुर्गी पालन, डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्टिंग, बकरी पालन, मल्टी-स्किल्ड, गृह-उद्योग, 02/03 व्हीलर मैकेनिक, आई०टी० सपोर्ट / हार्डवेयर, फर्नीचर / बढ़ई कार्य एवं जन सुविधा केन्द्र जैसी परियोजनाओं को स्थापित करने हेतु निगम के माध्यम से संचालित वेबसाईट https://grant-in-aid.upscfdc.in/ पर आवेदन कर सकते हैं, तथा योजना के विषय में अधिक जानकारी हेतु विकास भवन स्थित कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) / जिला प्रबन्धक उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम अमरोहा कक्ष संख्या-217 में सम्पर्क कर सकते हैं।

15 दिवसीय महाशिवपुराण कथा के पांचवें दिन स्वामी जी ने किया माता सीता हरण व्याख्यान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में बाबा लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के महंत एवं महाशिवपुराण कथा के व्यास स्वामी राजेंद्र मुनि महाराज ने कहा .. शिव महापुराण में बताया गया है कि जब रावण ने माता सीता का हरण किया था और भगवान राम और लक्ष्मण उन्हें ढूंढते हुए दर दर भटक रहें थे। उसी समय भगवान शिव और माता सती का काकभुशुण्डि जी से श्री राम कथा सुनकर कैलाश वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में भगवान शिव को प्रभु श्री राम के दर्शन हुए। राम उस समय लीलावश माता सीता के वियोग में रो रहे थें। जिसके कारण उनकी लीला में विघ्न ना बनने की इच्छा से उन्होंने दूर से ही अपने आराध्य भगवान राम को प्रणाम किया. ।तभी उस समय यह देख माता सती ने उनसे पूछा, ह्नहे नाथ! ऐसा कौन है

जिसे स्वयं आप सिर झुकाकर प्रणाम कर रहे हैंङ्ख?ह्न इस पर भगवान शिव ने उत्तर दिया, ह्नदेवी! मैं अपने इष्ट प्रभु राम को प्रणाम कर रहा हूं। जिनकी कथा अभी अभी आप और मैं श्रवण करके आ रहे हैंह्न तब माता सती ने भगवान राम को देखा और उन्हें सीता जी के वियोग में ऐसे रोता-बिलखता और दर-दर भटकता देख उन्हें उनपर संदेह हो गया कि सच में वह भगवान हैं भी या नहीं। तब भोलेनाथ ने माता सती को उनके विश्वास के लिए भगवान राम की परीक्षा लेने को कहा,माता सती जी ने उनकी पत्नी सीता का रूप धारण करके भगवान राम के सामने पहुंच गईं। उन्हें सीता स्वरूप में देख एक बार को भैया लक्ष्मण भी उन्हें सीता समझ बैठे लेकिन वे कुछ नहीं बोले। तब भगवान राम ने सीता के रूप में आई सती को देखकर प्रणाम किया और बोले, ह्न हे माता! दशरथ पुत्र राम आपको प्रणाम करता है, परंतु माता आज आप अकेले भ्रमण करने कैसे आ गईं? भूतभावन भोलेनाथ को साथ क्यों नहीं लाईङ्ख? ह्नयह सुन तो माता के होश ही उड़ गए, उनका शक भी चकनाचुर हो गया, तब उन्हें तृप्त करने के लिए भगवान राम ने उन्हें अपना श्रीहरि रूप दिखाया। माता सती कुछ कहने के काबिल ही ना रहीं और भागी भागी वापस कैलाश आ गईं। इस अवसर पर

स्वामी प्रवेश मुनि महाराज जी, कमलेश मुनि धर्म मुनि,राम मुनि, सुन्दर मुनि, ऋषिपाल भगत जी यश वशिष्ठ, ढोलक वादक राजकुमार वास्तव वीरमपुर सोनू चौहान पुष्पेन्द्र, सर्वेश मुनि सत्यवीर सिंह, लवकुश कुमार, महिपाल शर्मा, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, दीपक, रोताश, राकेश, धर्मेंद्र, रक्षपाल सिंह,राजू प्रधान, योगेन्द्र चौधरी, विजयेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

धनौरा मार्ग पर सड़क हादसा,बाईक सवारों ने बाईक सवार दंपति को मारी टक्कर

टक्कर मारकर बाईक सवार युवक हुए फरार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- बछरायूं थाना क्षेत्र में धनौरा मार्ग पर बाईक सवार युवकों ने बाईक सवार दंपति को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गए।इस हादसे में बाईक सवार दंपति घायल हो गए जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी पत्नी को मामूली चोटें आई। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को धनौरा सीएचसी में भर्ती कराया। ज्ञात रहे कि पूरा मामला बछरायूं थाना क्षेत्र के आनंद डिग्री कॉलेज के निकट स्थित सलेमपुर गोसाईं मार्ग का जहां तेज रफ्तार बाईक सवार युवकों ने बाईक सवार दंपति को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गए।जिससे दोनों दंपति सड़क पर गिर गए।इस हादसे बाईक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी पत्नी को मामूली चोटें आई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई वहीं सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने आनन-फानन में घायल युवक को 108 एम्बूलेंस की मदद से धनौरा सीएचसी में भर्ती कराया। वहीं प्राप्त जानकारी अनुसार बताया गया कि रघुवीर पुत्र ननुवा निवासी कमालपुर मौहल्ला कटरा का रहने वाला है जो बृहस्पतिवार को अमावस्या के अवसर पर गंगा स्नान करने अपनी पत्नी कलावती के गंगा धाम तिगरी गया था। जब वह गंगा स्नान करके घर वापस लौट रहा था तब वह इस हादसे का शिकार हुआ। फिलहाल पुलिस द्वारा घायल रघुवीर को सीएचसी में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष मे भावुक और प्रेरणादायक कार्यक्रम किया गया

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्माः- नगर पालिका परिषद परिसर में हसनपुर मंडल के भाजपा कार्यकताओं द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक भावुक और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नगर स्थित अमर शहीद भगत सिंह जी की प्रतिमा स्थल पर सफाई अभियान से हुई, जिसके बाद सभी कार्यकताओं ने मिलकर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के अमर शहीदों को सादर नमन किया। यह आयोजन न केवल स्वच्छता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक था, बल्कि उस महान बलिदान की स्मृति भी – जिसने 1999 के कारगिल युद्ध में भारत को गौरवपूर्ण विजय दिलाई।कार्यक्रम में उन वीर जवानों को भी याद किया गया जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को विजय दिलाई और वीरता के सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किए।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, नगर स्वच्छता प्रेरक प्रशांत सैनी, भाजपा नेता आईटी संयोजक अर्पण गुप्ता, भाजपा नेता शक्ति केंद्र संयोजक विक्रांत शर्मा,पूर्व मंडल उपाध्यक्ष संजय सहदेव, पूर्व मंडल महामंत्री संजय टाटा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल गुर्जर, शक्ति केंद्र संयोजक धर्मेंद्र सिंह, विजय लोधी, कृष्ण कुमार सहित कई समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पहले ई रिक्शा चालक से करते दोस्ती, फिर सुंघा देते नशा, उसके बाद कर लेते ई- रिक्शा चोरी

अब पुलिस ने किए गिरफ्तार कब्जे से 1 ई-रिक्शा, 1 कटी हुई ई-रिक्शा, कटे हुये ई- रिक्शा के पार्टस, बैटरे व ई रिक्शा काटने/खोलने में प्रयुक्त उपकरण बरामद

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस द्वारा जहरखुरानी करके ई-रिक्शा चोरी करने वाले 3 शातिरो को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से 1 ई-रिक्शा, 1 कटी हुई ई-रिक्शा, कटे हुये ई-रिक्शा के पार्टस, बैटरे व ई रिक्शा काटने/खोलने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए गए हैं। गुरुवार की रात्रि थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान खेडी मोड से चलकर बिजरा जाने वाले रास्ते पर आम के बाग में चोरी किये हुए ई-रिक्शा काट रहे 03 अभियुक्त फिरोज पुत्र रज्जन निवासी मकान नं0 उ-16अ औखला बिहार थानाजामिया नगर दिल्ली मौहम्मद तालिब पुत्र इदरीश निवासी मौ0 हाता कस्बा व थाना नौगावा सादात जनपद अमरोहा व अजीम पुत्र मौ0 सुल्तान निवासी मौ0 हाता नई बस्ती कस्बा

व थाना नौगावा सादात जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया है। जिनके 02 अन्य साथी अंधेरे का लाभ लेकर मौके से फरार हो गये। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से एक ई रिक्शा रंग नीला सीट लाल चालू हालत में मय 4 बैटरे व 2 टायर मय रीम एक्सल मय अन्य खुले पार्टस जाल आदि व 1 कटी हुई ई रिक्शा रंग नीला मय 02 पहिया चैसिस नम्बर MSECHAMGR24059243 व 04 बैटरे जिन पर EASTMAN लिखे व ई रिक्शा काटने/खोलने के उपकरण प्लास, हथौडा, चाबी, पेचकस आदि बरामद हुए । पुलिस के बताया कि पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने बताया कि वह बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी है जो कम पढे लिखे है व अवैध रुप से धन कमाने हेतु गिरोह बनाकर ई-रिक्शा चोरी करते है। वह खाली ई-रिक्शा को टारगेट करते हैं तथा बातो-बातों में ई-रिक्शा चालक को भरोसे में लेकर उसे नशीला पदार्थ पिला देते है तथा बेहोश होने के बाद ई रिक्शा चोरी कर लेते है। चोरी किये हुए ई-रिक्शा को खोलकर उसके पोर्टस को बेचकर पैसे आपस में बराबर बांट लेते है। इनसे बरामद ई-रिक्शा दिनांक 22 जुलाई की रात्रि को गजरौला औधोगिक क्षेत्र से चोरी की थी (सम्बन्धित मु0अ0सं0 374/25 धारा 123/303(2) बीएनएस) तथा दूसरी ई0रिक्स कई दिन पहले अमरोहा से आते समय रास्ते से चोरी करना बताया गया है। गिरफ़्तार अभियुक्तों पर कार्यवाही की जा रही थी। वहीं जहरखुरानी करके ई-रिक्शा चोरी करने वाले 3 शातिर अभियुक्तों की गिरफ्तार करने वाली नौगावां सादात पुलिस टीम को 10,000/- रुपये नकद पुरस्कार से पुरुस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया है।

बच्चों की सुरक्षा से नहीं किया जाएगा कोई समझौता जिलाधिकारी:- अमरोहा

सभी विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब और विद्यालय सुरक्षा समिति का गठन कर लिया जाये

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला विद्यालय वाहन परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में माध्यमिक विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब के गठन पर चर्चा प्रारम्भ हुयी। जिला विद्यालय निरीक्षक के द्वारा प्रस्तुत किये गये रिकार्ड के अनुसार कुल 405 विद्यालयों में से 391 विद्यालयों में रोड सेफ्टी गठन एवं 158 विद्यालयों में विद्यालय सुरक्षा समिति के गठन होने के सम्बन्ध में अवगत कराया। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में क्लब के क्रियाकलापों की जानकारी ली गयी और प्रबंधकों से गठन के बारे में पूछा गया तो वास्तविकता बहुत अलग थी। जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय के प्रबन्धकों/प्रधानाचार्यों से पूछा कि क्या आप लोग इसके लिये संवेदनशील नहीं हैं, क्या आप इस विषय पर अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते हैं, क्या विद्यालय में आने वाले छात्र/छात्राएं जिला प्रशासन के साथ-साथ आपके लिये महत्वपूर्ण नहीं हैं। अत्यन्त दुखदः एवं मार्मिक रूप से उन्होंने कहा कि गजरौला हसनपुर मार्ग पर जो स्कूली की दुर्घटना हुयी है उसकी मूल जड़ विद्यालयों में सड़क सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता मुख्य कारण है। यदि स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब और विद्यालय सुरक्षा समिति का गठन समय से कर लिया जाये और उन्हें सही से संचालित किया जाये तो स्कूल छात्र/छात्राओं के परिवहन में होने वाली दुर्घटनाओं में भारी कमी आ सकती है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), अमरोहा के द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में स्कूल के नाम 822 वाहन पंजीकृत है जिनमें से 155 स्कूली वाहनों की फिटनेस प्रमाण-पत्र समाप्त हो चुके है, जबकि सभी फिटनेस समाप्त 155 स्कूली वाहनों को नोटिस दिया गया है एवं 84 वाहनों के पंजीयन को निलम्बित कर दिया गया है। इसी के साथ प्रवर्तन कार्यवाही में माह जुलाई, 2025 में अभी तक 103 स्कूली वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही की गयी है। जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय प्रबन्धक / प्रधानाचार्यों से पूछा कि यदि आपके खुद के वाहन का फिटनेस समाप्त है और परिवहन विभाग के नोटिस एवं पंजीयन निलम्बन के पश्चात भी फिटनेस नहीं कराया जा रहा है तो यह मान लिया जाये कि आप विद्यालय संचालन और बच्चों की सुरक्षा करने में पूर्ण योग्य नहीं हैं। जिलाधिकारी द्वारा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन को निर्देश दिये गये कि अब ऐसे वाहनों के स्कूलों के विषय में आख्या भेजकर जिला विद्यालय निरीक्षक/ बेसिक शिक्षा अधिकारी से इनकी मान्यता समाप्त कराने हेतु पत्र लिखकर कार्यवाही करायी जाये। बैठक में प्राईवेट वाहनों से छात्र/छात्राओं के परिवहन को लेकर चर्चा हुयी जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जब छात्र/छात्राएं विद्यालय में आते है तो विद्यालय के गेट पर विद्यालय के कर्मचारी उपस्थित होते है और शासन के निदेर्शानुसार रोड सेफ्टी क्लब और विद्यालय सुरक्षा समिति का गठन कर लिया जाये एवं अभिभावकों के साथ होने वाली बैठकों में भी एम-परिवहन एप्प के विषय में जागरूक करते हुए बताना चाहिए कि जिस वाहन में आपके बच्चे परिवहन कर रहे हैं उसके प्रपत्रों की जानकारी आप इस एप्प पर ले सकते हैं एवं गलत वाहन से परिवहन कराने से बचने हेतु अभिभावकों को जागरूक किया जाना चाहिए यदि विद्यालय प्रबन्धन यह सब कर लें तो ऐसे वाहनों पर विद्यालयों द्वारा अंकुश लगाना कोई बड़ी बात नहीं होगी। कार्यालय परिवहन आयुक्त, उ०प्र० के द्वारा भी पत्र जारी कर विद्यालय प्रबन्धन को स्पष्ट रूप से कानूनी जिम्मेदारी होने के सम्बन्ध में आदेश भी जारी किये गये हैं। बैठक में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति के सचिव महेश कुमार शर्मा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), अमरोहा के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक, अमरोहा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अमरोहा, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, अमरोहा, सुधीर सिंह, यात्री/मालकर अधिकारी, अमरोहा, अनुज कुमार मलिक, यातायात पुलिस निरीक्षक, अमरोहा और जिला विद्यालय एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश सिद्धू सहित सभी विद्यालयों के प्रबन्धक / प्रधानाचार्य उपस्थित हुए।

पूर्व छात्र परिषद ने किया करियर काउंसलिंग का आयोजन

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- शुक्रवार को चन्दौसी नगर स्थित विद्यालय जगदीश शरण सर्राफ सरस्वती शिशु मन्दिर इण्टर कालेज हनुमानगढ़ी चन्दौसी में पूर्व छात्र परिषद चन्दौसी द्वारा कक्षा 11 व 12 के भैया/बहिनों का कैरियर काउंसलिंग/ गाइडेंस के सम्बन्ध मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंन्ध कार्यकारिणी के सम्मानित सदस्य शिवम यादव ने की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरपाल सिंह जी, पूर्व छात्र परिषद के जिला संयोजक श्री हृदेश यादव, विद्यालय की पूर्व छात्र परिषद इकाई से ऋतिक वार्ष्णेय (उपकोषाध्यक्ष), मंयक वार्ष्णेय (सहसंयोजक), तुषार वार्ष्णेय (मीडिया प्रभारी), सुनील गुप्ता (सदस्य), पूर्व छात्र परिषद के विद्यालय प्रभारी आचार्य मुकेश राणा, आचार्य इन्दु शेखर व सौरभ चौहान आदि उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय अधिकारियों एवं मीडिया कर्मियों की एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत पंचायत एडवांसमेंट इन्डेक्स (पीआईए) 1.0 एवं 2.0 संस्करण विषय पर जिला स्तरीय अधिकारियों एवं मीडिया कर्मियों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया एवं पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें जिला पंचायती राज अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडेय ने कार्यक्रम के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिलाधिकारी ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (एलएसडीजी) के विषय में विस्तार पूर्वक चर्चा की उन्होंने कहा कि गरीबी मुक्त एवं उन्नत आजीविका पंचायत कैसे बनाई जाए उसके विषय में लोगों को स्वरोजगार की तरफ अग्रसर होना पड़ेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वदेशी कपड़ा पहनें जिससे ग्राम पंचायत में दर्जियों को कार्य मिले और वह स्वरोजगार प्राप्त कर सकें और उन्होंने ग्राम पंचायत स्वस्थ पंचायत कैसे बने उसकी विषय में भी जिलाधिकारी ने विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बाल हितेषी पंचायत को लेकर भी उन्होंने कहा बच्चों में अच्छे संस्कार और उच्च विचार की भावनाएं उत्पन्न कैसे हो उसके विषय में भी लोगों को सोचना चाहिए पर्याप्त जल युक्त पंचायत को लेकर चर्चा की उन्होंने कहा कि जल को कैसे बचाया जाए उसके विषय में भी सोचें और उन्होंने कहा कि हर घर में एक सोख्ता बनाया जाए जिससे जल संरक्षण किया जा सके।उन्होंने स्वच्छ एवं हरित पंचायत,आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा वाली पंचायत, सामाजिक रूप से सुरक्षित एवं न्याय पूर्ण संगत पंचायत, सुशासन वाली पंचायत, महिला हितेषी पंचायत को लेकर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की और जानकारी दी। पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोग अपनी ग्राम पंचायत के बारे में सोचें और उसको कैसे स्वच्छ एवं स्वस्थ रखें उसके विषय में भी विचार करें और उन्होंने कहा कि पहले लोग अपनी ग्राम पंचायत में स्वयं सफाई करते थे और स्वच्छ रखते थे और उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत में स्वरोजगार की जरूरत है अगर लोग स्वरोजगार करेंगे तो ग्राम पंचायत की आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायत में उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार की जो योजनाएं संचालित हैं उनको ग्राम पंचायत के अंतिम व्यक्ति तक ले जाया जाए जिससे ग्राम पंचायत का जो अंतिम व्यक्ति है उसको भी योजना का लाभ मिल सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, उपनिदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण सहित समस्त संबंधित अधिकारी ग्राम प्रधान ग्राम, सचिव एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

चंदौसी में महिला सशक्तिकरण के साथ सजी तीज महोत्सव की छटा

जायंट्स ग्रुप ऑफ वूमेन पावर एवं वूमेन प्राइड का महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा तीज ग्लैमर गाला का भव्य आयोजन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- तीज है त्यौहार सौंदर्य, श्रृंगार और समर्पण का झ नारी के सम्मान का प्रतीकह्व इसी संदेश को आत्मसात करते हुए संजीवनी पैलेस, आजाद रोड चंदौसी पर जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन फेडरेशन 5 यूनिट-14 की जायंट्स ग्रुप ऑफ वूमेन पावर एवं वूमेन प्राइड ने मिलकर तीज महोत्सव पर तीज ग्लैमर गाला का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष अतिथि जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं उनकी पत्नी द्वारा रिबन काटकर किया गया । दोनों ग्रुप के प्रेसिडेंट शुभा कागजी व अलका मंगल ने मुख्य अतिथियों स्पेशल कमेटी मेंबर डॉ. सुधा चौधरी, फेडरेशन 5 के अध्यक्ष डॉ उमेश अग्रवाल उनकी पत्नी प्रोजेक्ट कोडिनेटर डॉ अनिता अग्रवाल, फेडरेशन 5 के सचिव डॉ लव कुमार आर्य, वाइस प्रेसिडेंट अनु रस्तोगी, पी पी एफ कृष्ण अबतार, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सुभाष रुस्तगी एवं यूनिट डायरेक्टर क्षमा अग्रवाल, नूतन चौधरी, रंजना शर्मा का पटका पहनकर अभिवादन किया। कार्यक्रम का संचालन नीतू अग्रवाल ने किया । तीज चेयर पर्सन नैना अग्रवाल व दोनों ग्रुप के डी ओ ए शुभ्रा अग्रवाल ,प्रीति अग्रवाल एब दोनों ग्रुप के डी ओ एफ स्वाति अग्रवाल , शिवानी अग्रवाल ने कार्यक्रम की हर गतिविधि पर बारीकी से निगरानी रखी।

महिलाओं को मिला लघु उद्योग का सुनहरा अवसर

महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने वाला लघु उद्योग स्टॉल मेला लगाया गया। मेले में 40 से अधिक स्टॉल्स स्थानीय और बाहर से आई महिलाओं द्वारा लगाए गए।इसमें सजावटी वस्तुएँ, हस्तशिल्प, हर्बल उत्पाद, राखियाँ, चूड़ियाँ, साड़ी-सूट, अचार-पापड़, घरेलू मसाले, हाथों से बनी मोमबत्ती , शिंगार का सामान,ज्वेलरी आदि के मनमोहक स्टॉल्स शामिल हुए ।हर स्टॉल में महिलाओं की मेहनत और रचनात्मकता की झलक देखने को मिली जिसने मेला देखने आई हर महिला को प्रभावित किया और खूब दिल खोल के शॉपिंग की। महिलाओ ने कहा कि यह मंच स्वरोजगार की प्रेरणा देने के साथ-साथ आर्थिक आत्मनिर्भरत की ओर कदम बढ़ाने का अवसर बनेगा । महोत्सव में मेहंदी, राखी और नेल आर्ट जैसे रचनात्मक कॉम्पिटीशन भी आयोजित किए गए, जिनकी दो श्रेणियाँ 12-18 वर्ष एवं 19 वर्ष से ऊपर। बच्चों और महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया क विजेताओं का चयन निर्णायक डॉ संगीता गोयल जी के द्वारा किया गया ।सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन कर श्रेष्ठ प्रतिभाओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। व भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार दिए गए । मेहंदी लगाने की विशेष व्यवस्था ने महिलाओं को तीज के पारंपरिक रंग में रंग दिया। महिलाएँ आकर्षक डिजाइन कि मेहदी अपने हाथों पर लगवाकर बहुत ही उत्साहित महसूस करा ।मेले में पारंपरिक झूले, लोक व्यंजन, सेल्फी प्वाइंट, हर कोना महिला ऊर्जा, हँसी और परंपरा से सजा था। इस अवसर पर पूरे ग्रुप का एक साथ सहयोग , ने कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ाया । क्रायक्रम में साधना, वंदना, प्रिएंसी निमिषा, काव्या पल्लवी, आंचल, राधिका, मानसी, नेहा, पूजा, , सुरभि, मोनिका, रीना, सिम्मी ज्योति, अंजलि सहित सभी सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति रही।

ए आर.टी.ओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने स्कूली वाहनों की चैकिंग

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में सहायक संभागीय परिवहन विभाग द्वारा अनफिट स्कूली वाहनों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान में परिवहन विभाग द्वारा दो टीमों का गठन किया गया । जिनमें से एक टीम का नेतृत्व ए आर.टी.ओ प्रवर्तन महेश शर्मा द्वारा और दूसरी टीम का नेतृत्व पी टी ओ सुधीर सिंह के द्वारा किया गया। इस अभियान में अमरोहा और गजरौला और डिडौली में स्कूली वाहनों की चैकिंग की गई। स्कूली वाहनों को रोककर जब चैकिंग की जा रही थी तो वाहन चालक अपने वाहनों को छिपाकर खड़े करने लगे और कुछ वाहनों के चालक परिवहन विभाग की गाड़ियों को देखते ही भागने लगे। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बहुत शान्ति और बिना हड़बड़ी के अपने वाहनों को उनके पीछे नहीं दौड़ाया अपितु एक स्थान पर खड़े रहकर चैकिंग की कार्रवाई की गई। आज यह कार्रवाई अमरोहा में कांठ रोड पर और गजरौला में चौपले के समीप की गई। इसके बाद डिडौली के नजदीक भी यह कार्रवाई की गई। आज की गई इस प्रवर्तन की कार्रवाई में कुल 11 वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्रवाई की गई जिनमें से 4 वाहनों को सीज और 7 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। आगे भी स्कूल खुलने पर ऐसा ही अभियान जारी रहेगा।

उपासना अग्रवाल बनी तीज क्वीन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अग्रवंशी महिला समिति द्वारा आयोजित हरियाली तीज उत्सव में मची धूम, रंग बिरंगी परिधानों में सजी महिलाओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कान्हा के झूले में रितु अग्रवाल ने बाजी मारी दूसरे स्थान पर सौम्या अग्रवाल रही। हेयरस्टाइल कंपटीशन में चिंकी अग्रवाल प्रथम रही महिलाओं द्वारा सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई क्लब अध्यक्षा श्रीमती विनीता अग्रवाल सचिव नीतू अग्रवाल संरक्षिका इंदु अग्रवाल मंजू गोयल जी अंशु अग्रवाल जी अंजुला अग्रवाल जी बीनू अग्रवाल जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन का भार सौम्या अग्रवाल एवं भावना गोयल जी ने अपने कंधों पर लिया।

गणेश चौथ मेले को लेकर बैठक में तैयार हुई कार्य योजना

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- तहसील सभागार में एसडीएम ने आयोजन समीक्षा के लिए श्री गणेश मेला परिषद के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। विभागवार मेले के आयोजन की समीक्षा करते हुए कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। गणेश चौथ मेले को लेकर बैठक में तैयार हुई कार्य योजना। तहसील सभागार में एसडीएम की अध्यक्षता में मेला गणेश चौथ के 65वें आयोजन को लेकर शुक्रवार को श्री गणेश मेला परिषद चन्दौसी के पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिसमें एसडीएम आशुतोष तिवारी ने विभागवार मेले के आयोजन को लेकर समीक्षा की। इस दौरान मेला कमेटी के पदाधिकारियों से सुझाव मांगे। एसडीएम ने मेले के दौरान पूर्व में किए जाने वाले विभागीय कार्यों को बताते हुए उनको दुरुस्त करने तथा उन पर कार्ययोजना तैयार करने को कहा। जिससे उन कार्यों को तय समय पर पूरा किया जा सके। विभागों के द्वारा किए जाने वाले आवश्यक कार्य- विद्युत विभाग द्वारा रथयात्रा मार्ग पर बिजली के तारों को ठीक करके ऊंचा करने, पोलों पर पन्नी लगाने, मेले के दौरान बिजली की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए ग्राम मई के फीडर को हनुमानगढ़ी के फीडर से हटाकर अन्य फीडर से जोड़ने तथा बिजलीकर्मियों की टीम को रथयात्रा में उपस्थित रहना। नगर पालिका प्रशासन द्वारा रथयात्रा मार्ग को गडढा मुक्त करने, प्रकाश व्यवस्था, पानी की व्यवस्था ठीक करने, कूड़ा समय से उठवाने, रेलवे विभाग द्वारा मुरादाबाद-चंदौसी-अलीगढ़ और बरेली-चंदौसी-अलीगढ़ मार्ग पर स्पेशल ट्रेन चलाने, रोडवेज विभाग द्वारा चंदौसी से अलीगढ़-मुरादाबाद- बिसौली को अतिरिक्त बस चलाने, दूरभाष विभाग से रथयात्रा मार्ग के तार ऊंचे करने व बेहतर नेटवर्क के लिए कंट्रोल रूम बनाने, फायर ब्रिगेड की गाड़ी की अतिरिक्त व्यवस्था करने का आवाहन किया। मेले के दौरान नगर में बड़े वाहनों की नो एंट्री लागू करने, सीता रोड-कैथल गेट-मनिहार चौक पर बैरिकेडिंग करने तथा नगर में ई-रिक्शों का वन-वे संचालन करने, स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप लगाने आदि महत्वपूर्ण विषयों को रखा गया। सुझावों के लिए मेला सचिव हरिगोपाल वार्ष्णेय, मेला इंचार्ज रविन्द्र कुमार रूपी, विनय सर्राफ, मनोज गुप्ता मीनू, ललित किशोर गुप्ता, डॉ राजीव गुप्ता आदि ने विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया। बैठक में नगरपालिका से ईओ धर्मराज राम, जेई अनुज कुमार, सफाई निरीक्षक प्रियंका सिंह, यातायात के टीएसई पी जी प्रवीण, पुलिस प्रशासन से प्रभारी निरीक्षक मोहित चौधरी, रोडवेज बस स्टेशन प्रभारी राजीव कुमार, विद्युत विभाग एक्सईएन डिप्लो श्रीवास्तव एसडीओ अजय चौरासिया, स्वास्थ्य विभाग से सीएमएस डॉ. हरविंदर सिंह, रेलवे स्टेशन अधीक्षक राजू कुमार, दूरभाष से अवर अभियंता वरुण कुमार सिंह एसओजी प्रभारी उदयवीर सिंह, फायर बिग्रेड से सीएफओ के के सिंह आदि विभागीय अधिकारी के अलावा मेला परिषद से सतेंद्र मामा, मेजर शशिकांत गुप्ता, प्रभात कृष्णा, अजय आर्य, शुभम अग्रवाल, इसत्याक बेग, नीरज बच्चन, सतीश चन्द्र वार्ष्णेय, अजय वार्ष्णेय आदि उपस्थित रहे।

आर डी एच फाउंडेशन गरीब परिवार के लिए बना सहारा, घर बनाने के लिए की पचास हजार रुपए से की आर्थिक मदद

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- आर डी एच फाउंडेशन परिवार गरीब, बेसहारा, कमजोर परिवारो के लिए लगातार आर्थिक मदद कर रहा है। गुरुवार को आर डी एच फाउंडेशन परिवार ने क्षेत्र की एक गरीब परिवार को पचास हजार रुपए मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता की है। वहीं दो विधवा महिलाओं को ग्यारह सो,ग्यारह सो रुपए की आर्थिक मदद की है। ज्ञात रहे कि आर डी एच फाउंडेशन की स्थापना अमित सिंह ने गरीब, बेसहारा, मजदूर तबके के लिए की थी। उन्होंने बताया कि आर डी एच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ऐसे लोगों की पहचान की जाती हैं। जिन्हें वास्तव मे आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। ऐसे परिवारों की मदद करने के लिए आर डी एच फाउंडेशन परिवार आगे आकर मदद करता है। इसी क्रम में क्षेत्र के मीरा की रेती के रहने वाले एक गरीब परिवार को पचास हजार रुपए मकान बनाने के लिए सौंपे हैं वहीं दोनो विधवा महिलाओं को ग्यारह सो, ग्यारह सो रुपए आर्थिक मदद के लिए दिए हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि आर डी एच फाउंडेशन परिवार हमेशा गरीब बेसहारा मजदूर कमजोर परिवारों की मदद करता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि आज हमारे सामाजिक संगठनों को आगे बढ़कर ऐसे परिवारों कीमदद करनी चाहिए। इस दौरान अमित सिंह, हरिप्रकाश गुप्ता, सरिता, अनीता आदि लोग मौजूद रहे।

चोरी की 2 मोटरसाइकिल के साथ 2 चोर हुए गिरफ्तार-

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर 02 अलग-अलग मोटरसाइकिल पर सवार अभियुक्त 1.प्रमोद लोधी पुत्र श्यामलाल लोधी निवासी ग्राम मंझवारा थाना गौरीगंज जनपद अमेठी हाल पता ग्राम गुरुदत्तगंज मजरे जूठीपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 24 वर्ष, 2.आशीष यादव उर्फ आनन्द यादव पुत्र शिवकुमार यादव उर्फ माला निवासी ग्राम गुरुदत्तगंज मजरे जूठीपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । दोनों मोटरसाइकिल के कागज मांगने पर दिखा न सके । पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि यह मोटरसाइकिलें चोरी की हैं जिन्हें हम दोनों अपने 03 अन्य साथियों 1.आशीष पाण्डेय पुत्र मनोज पाण्डेय निवासी ग्राम पाण्डेय का पुरवा मजरे मडेरिका थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी, 2.अवधेश तिवारी पुत्र अरुण तिवारी निवासी ग्राम सरूवांवा थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी, 3.राजकुमार जाटव पुत्र उदयराज निवासी ग्राम गुरुदत्तगंज मजरे जूठीपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के साथ मिलकर सुपर स्पेलेण्डर यूपी 36 क्यू 6099 को दिनांक 18.07.2025 को संस्कार ग्लोबल स्कूल के पास से व सुपर स्पेलेण्डर बिना नम्बर प्लेट को भटगवां बाजार के पास से चोरी किये थे । हम पांचो लोग मिलकर मोटरसाइकिल चोरी करते हैं और उसे ग्राहक ढूढ़कर बेच देते है उससे जो रुपये मिलते हैं हम पांचो लोग बराबर-बराबर बांट लेते हैं । बरामद दोनों मोटरसाइकिलों की चोरी के संबंध में थाना गौरीगंज पर मु0अ0सं0 252/25 धारा 303(2) बीएनएस व मु0अ0सं0 257/25 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत हैं । बरामदगी व गिरफ्तारी के संबन्ध में थाना गौरीगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

एसपी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की ली गई सलामी एवं निरीक्षण कर दिए गए आवश्यक निर्देश

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया । इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया। परेड में पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय व जनपद के विभिन्न थानों व शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण सम्मिलित हुये । निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में शामिल समस्त पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी एवं अच्छी वर्दी धारण करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन का मुआयना करते हुए बैरक, शस्त्रागार, मेस, बैरिक, कैश कार्यालय परिवहन शाखा व पीआरवी 112 आदि का निरीक्षण कर साफ सफाई व अभिलेखों के रखरखाव के संबंध में आवश्यक आदेश-निर्देश दिए गए । पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा पुलिस लाइन मेस में भोजन कर भोजन की गुणवत्ता को जांचा गया । तत्पश्चात पुलिस लाइन में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । निरीक्षण के उपरान्त पुलिस कर्मचारीगण का अर्दली रूम किया गया । इस दौरान क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे ।

दिल्ली की इन झुग्गी बस्तियों में अचानक पहुंचे राहुल गांधी, सुनीं समस्याएं; बुलडोजर में तबाह हुआ था घर

बाहरी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार सुबह आठ बजे जेलर वाला बाग और वजीरपुर झुग्गी बस्ती पहुंचे और लोगों से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने लोगों की समस्याएं सुनीं। पिछले दिनों इन दोनों जगहों पर बनी झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया गया था। जेलर वाला बाग क्षेत्र में लगभग डेढ़ हजार झुग्गियां को हटाया गया था। कांग्रेस ने एक्स पर किया पोस्ट कांग्रेस की ओर से इंटरनेट मीडिया (एक्स) पर पोस्ट में कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार ने अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग और वजीरपुर में लोगों के घरों पर बुलडोजर चला दिया, उन्हें बेघर कर दिया। आज राहुल गांधी वहां पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर, उनकी समस्याएं सुनीं और उनका दर्द बांटा।

'किंगफिशर के पूर्व मालिक विजय माल्या भी भागे', सीबीआई ने चिदंबरम की विदेश यात्रा में ढील का किया विरोध

नई दिल्ली। किंगफिशर के मालिक व पूर्व सांसद विजय माल्या का हवाला देते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम की विदेश यात्रा प्रतिबंधों में ढील देने का विरोध किया। आइएनएक्स मीडिया मामले में जमानत देते हुए चिदंबरम को विदेश यात्रा से पहले ट्रायल कोर्ट की अनुमति लेने का आदेश दिया था। कार्ति चिदंबरम ने याचिका दायर कर प्रतिबंधों में ढ़ील देने की मांग को लेकर याचिका दायर की है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कार्ति की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि उनके मुवक्किल एक सांसद हैं और संसद में उपस्थित होते हैं और उनके भागने का कोई खतरा नहीं है। इसके जवाब में सीबीआई की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता अनूप एस शर्मा ने कहा कि विजय माल्या का नाम लिए बिना कहा कि किंगफिशर के पूर्व मालिक भी कभी सांसद हुआ करते थे और आज ब्रिटेन में बैठे हैं। इस पर पीठ ने एजेंसी से सवाल किया कि अगर एक व्यक्ति भाग गया, तो क्या उन्हें लगता है कि सभी भाग जाएंगे? शर्मा ने कहा कि एजेंसी को कुछ चिंताएं हैं और इसीलिए वह चाहती है कि कार्ति चिदंबरम हर विदेश यात्रा के लिए अदालत की अनुमति लें। इस पर पीठ ने एजेंसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 10 सितंबर तक के लिए टाल दी।

महिला ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप-

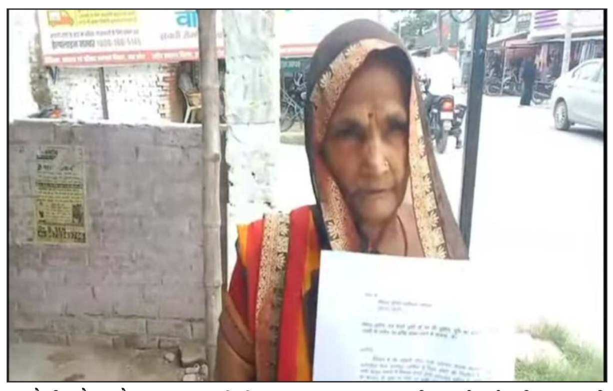

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद की एक पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक से मिलकर अपनी पुश्तैनी भूमि पर अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकी के खिलाफ न्याय की गुहार लगाई है। थाना संग्रामपुर क्षेत्र के ग्राम तिवारीपुर मजरे करनाईपुर निवासी गीता देवी पत्नी चंद्रभान तिवारी ने एसपी को सौंपे गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि गांव के ही सुनीता पुत्री उमाशंकर तिवारी, उमाशंकर पुत्र सूरजदीन तिवारी समेत अन्य लोगों ने न केवल उनके साथ मारपीट की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। महिला का कहना है कि विवादित जमीन पुश्तैनी है और उसका विधिवत बंटवारा भी पहले ही हो चुका है, इसके बावजूद विपक्षी जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़िता ने प्रशासन से विपक्षियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन भी दिया है।

डीएम की अध्यक्षता में विकास कार्यों (सीएम डैशबोर्ड) व निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों (सीएम डैशबोर्ड) व विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभाग की योजनाओं/कार्यक्रमों के लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा में अवश्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता कदापि न बरती जाये। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कार्यों की स्वयं समीक्षा करें एवं प्रगति में सुधार लाएं। डीएम ने विभागवार योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली, तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभाग की योजनाओं के लक्ष्यों को समय से पूर्ण करें। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जन कल्याणकारी योजनाओं/कार्यक्रमों से लाभांवित लाभार्थियों का सत्यापन भी कराया जाये। इसके साथ ही उन्होंने आईजीआरएस, मुख्यमंत्री पोर्टल, जनता दर्शन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का भी समय सीमा के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने एवं संबंधित शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित सभी योजनाओं में विशेष प्रयास कर रैंकिंग में सुधार लाएं उन्होंने कहा कि जिन विभागों की रैंकिंग खराब होगी उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, जिला विकास अधिकारी वीर भानू सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

चलती स्कूटी में लगी आग, भाई-बहन ने कूदकर बचाई जान-

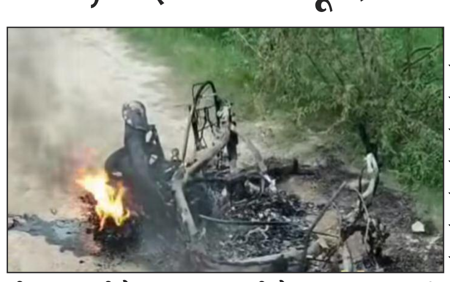

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बबुरी गांव के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक चलती स्कूटी में अचानक आग लग गई। स्कूटी पर सवार सिम्मी पुत्री देवराज, निवासी मंडौली, जो मुंशीगंज में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही हैं, अपने भाई के साथ घर लौट रही थीं। जानकारी के अनुसार, स्कूटी से अचानक धुआं निकलने लगा और कुछ ही पलों में उसमें आग पकड़ ली। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए भाई-बहन ने समय रहते स्कूटी से कूदकर अपनी जान बचाई।

आजादी के बाद भी अंधेरे में जीवन मड़ौली गांव के आधा दर्जन घरों में आज तक नहीं पहुंची बिजली

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद में एक गांव ऐसा मिला की जहा आज आजादी के बाद भी बिजली नहीं पहुंची,एक ओर सरकारें गांव-गांव बिजली पहुंचाने का दावा कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर अमेठी जिले के संग्रामपुर विकासखंड के मड़ौली गांव के कुछ परिवार आज भी अंधेरे में जिंदगी बसर करने को मजबूर हैं। गांव के करीब आधा दर्जन घरों में आज तक बिजली नहीं पहुंची। इन परिवारों के लिए बिजली सिर्फ एक सपना बनकर रह गई है। बच्चों की पढ़ाई धूप के भरोसे, खाना भी अंधेरे में गांव के रामसेवक, अनिल कुमार, पवन कुमार, सुनील कुमार, राधेश्याम, दीनानाथ आदि परिवारों की महिलाएं बताती हैं कि उनके बच्चे दिन के उजाले में ही पढ़ाई कर पाते हैं। रात होते ही अंधेरा घर में समा जाता है और घबराहट बढ़ जाती है। भोजन बनाना भी मशाल, दीया या टॉर्च के सहारे होता है। गर्मी के मौसम में पंखे, कूलर जैसी सुविधाएं तो दूर, मोबाइल चार्ज करने की भी कोई व्यवस्था नहीं। पहले लालटेन और मिट्टी का तेल था, अब वह भी नहीं मिलता गांव की रीता तिवारी बताती हैं, करीब 20 साल से यहीं रह रहे हैं, लेकिन आज तक बिजली नहीं आई। पहले तो मिट्टी के तेल से काम चल जाता था, अब वह भी नहीं मिलता। बबीता कहती हैं, ह्लबिजली नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई, खाना बनाना और रात का समय बहुत मुश्किल हो गया है। जंगली जानवरों और जहरीले कीड़ों का डर बना रहता है ।सोलर लाइट भी नहीं लगी, शिकायतें बेअसर यशोदा बताती हैं कि ग्राम पंचायत और बिजली विभाग से कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक न एक सोलर लाइट लगी, न खंभे आए, न तार। सब कुछ केवल आश्वासन में सिमट कर रह गया है।

दुबई से लौटी युवती ने एक्स ब्वॉयफ्रेंड के साथ होटल में बनाए शारीरिक संबंध, खुफिया कैमरे से बनाया वीडियो; फिर...

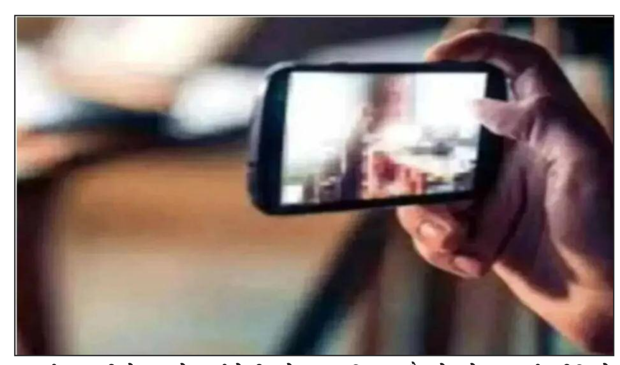

अलीगढ़। नमकीन कारोबारी को दोबारा प्रेमजाल में फंसाकर युवती ने पहले एक होटल में उसके साथ संबंध बनाए। अपने इंजीनियर साथी की मदद से उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद इंटरनेट मीडिया के माध्यम से कारोबारी को भेज उसे ब्लैकमेल किया। हनीट्रैप के इस मामले की शिकायत पुलिस तक पहुंची तो आरोपितों की तलाश की गई। गुरुवार को दोनों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। क्वार्सी क्षेत्र के कारोबारी का दूसरे शहर में नमकीन का बिजनेस है। उसने छह जुलाई को आरोपित युवती और उसके साथी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। एसएचओ नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित की कालोनी में मूल रूप से हाथरस की रहने वाली युवती का परिवार किराये पर रहता था। उसी दौरान दोनों की दोस्ती हो गई थी। इसके कुछ समय बाद युवती मुंबई चली गई। वहां से दुबई और बहरीन गई। करीब तीन वर्ष बाद दिल्ली लौटी तो उसकी मित्रता सासनीगेट के सराय मिश्र खिरनीगेट निवासी क्षितिज उर्फ नक्स शर्मा से हुई। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। दोनों ने ठगी की योजना बनाई। युवती ने अपने पूर्व प्रेमी को फंसाने के लिए जाल बुनना शुरू किया। उससे संपर्क किया और प्रेमजाल में फंसाया। मथुरा के एक होटल में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। एसएचओ ने बताया कि युवती ने पहले से ही होटल में दो कमरे बुक किए थे। बगल वाले कमरे में उसका इंजीनियर साथी था। अंतरंग वीडियो बनाई। उसके बाद युवक को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर पहले पांच लाख और फिर सात लाख रुपये की मांग की। क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग नगर के सहयोग से क्वार्सी पुलिस ने दोनों को रिजर्व पुलिस लाइंस से गिरफ्तार कर लिया। मोबाइल चार्जर में लगे खुफिया कैमरे से बनाई वीडियो एसएचओ ने बताया कि इंजीनियर साथी शातिर था। उसके पास फोन चार्जर वाला कैमरा था। उससे लैपटॉप को कनेक्ट किया। युवती ने शातिर ढंग से उस चार्जर का प्रयोग किया और वीडियो बनाई। इसकी रिकॉर्डिंग सफल होने के बाद उन्होंने ठगी करने के लिए रुपये मांगने शुरू किए। एसपी दुबई से लौटी युवती ने एक्स ब्वॉयफ्रेंड के साथ होटल में बनाए शारीरिक संबंध, खुफिया कैमरे से बनाया वीडियो; फिर...सटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि आरोपित क्षितिज के नंबरों से आरोपित मेकअप आर्टिस्ट युवती के नंबरों का भी मिलान हुआ है। इस पर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया।

रोड नहीं तो वोट नहीं, नुवावा गांव में ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन, खुद चंदा इकट्ठा कर बना रहे खड़िंजा

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद के विकासखंड के ग्रामसभा नुवावा के सैदापुर के ग्रामीणों का आक्रोश आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा। रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाते हुए ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों का कहना है कि पांच साल बीतने के बाद भी गांव में अब तक कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। प्रदर्शन में रज्जाक अली, राजेश, शिवम, मिश्रा, अफजल खान, मेहंदी हसन, अमित मिश्रा, सुनील मिश्रा, मनोज, अनिल द्विवेदी, सोनू खान, बृजेश सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने एक सुर में कहा कि प्रशासन ने अब तक सिर्फ वादे किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। सबसे बड़ी समस्या गांव की सड़क है, जो पूरी तरह जर्जर और कीचड़ से भरी हुई है। इसी रास्ते से छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और मरीजों को आना-जाना पड़ता है। गंभीर स्थिति में गर्भवती महिलाओं या बीमार व्यक्तियों को कंधे पर उठाकर अस्पताल तक ले जाना पड़ता है, जिससे ग्रामीणों को अत्यधिक परेशानी होती है। गांव वालों ने हार मानने की बजाय अपने स्तर पर चंदा इकट्ठा कर खड़िंजा (ईंट वाली सड़क) का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासनिक उपेक्षा के चलते उन्हें मजबूरी में यह कदम उठाना पड़ा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण और विकास कार्य नहीं शुरू हुए, तो वे आगामी चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी द्वारा समस्त अधिकारियों को संदर्भ की नियत तिथि के पहले ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही निस्तारण से शिकायतकताओं को भी संतुष्ट फीडबैक प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी ने सर्वाधिक असंतुष्ट फीडबैक वाले विभागों को कड़ी चेतावनी देते हुए भविष्य में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एसडीएम सात्विक श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सन्तोष श्रीवास्तव, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अमित विश्वकर्मा सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सिफारिश और पर्ची सिस्टम खत्म, सीएम सैनी ने नौकरियों को लेकर किया बड़ा एलान

कहा- हजारों पदों पर होंगी भर्तियां

बाढडा। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार की शासन में जनभागीदारी व भर्ती प्रक्रिया में सिफारिश व पर्ची सिस्टम को खत्म कर आमजन का दिल जीता है। प्रदेश में पुलिस व अन्य विभागों में हजारों पदों पर पारदर्शी भर्ती की जाएगी। बाढडा विधानसभा क्षेत्र में जमीन उपलब्ध होते ही नई अनाज मंडी, फायर ब्रिगेड सेंटर, कारी में आइटीआइ का निर्माण कराया जाएगा। बिजली कार्यालय को अपग्रेड करने के साथ ही नहरों सड़कों पर करोड़ों रुपए का बजट मंजूर किया गया है। झोझू कलां को महाग्राम योजना में शामिल कर सभी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी वहीं ग्राम पंचायत से आवेदन मिलते ही उप तहसील का दर्जा भी दिया जाएगा। यह बात उन्होंने गांव झोझू कलां में विधायक उमेद सिंह पातुवास की अध्यक्षता में आयोजित विकास रैली में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। 'हरियाणा को रोजगार के क्षेत्र में अग्रणी बनाएंगे' रैली को प्रदेश की जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी, सांसद धर्मवीर

सिंह, विधायक सुनील सांगवान, विधायक उमेद सिंह पातुवास सहित अनेक नेताओं ने भी संबोधित किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमने बीते वर्षों में हरियाणा को भ्रष्टाचार मुक्त करने और ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया है और आज यहां से हम सब एक नया संकल्प लें कि हम हरियाणा को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में अग्रणी बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने रैली के दौरान लगभग 68 करोड़ रुपये लागत की 19 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि चरखी-दादरी जिले के लिए कुल 474 घोषणाएं की गई। 321 घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं तथा 90 पर काम जारी है। चरखी दादरी 2016 में बना था जिला' हमारी सरकार ने चरखी-दादरी को दिसम्बर, 2016 में नया जिला बनाया। राष्ट्रीय राजमार्ग 148-बी का सुधार करने व इसे चारमार्गी बनाने का काम 170 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। साथ ही फिजिबिल्टी चैक करवाकर बाढड़ा पब्लिक हेल्थ की सब-डिविजन को डिवीजन का दर्जा दिलवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कलियाना से दादरी सड़क को चार लेन करने की घोषणा करते हुए कहा कि इसकी फिजिबिलिटी चैक करवाकर इस कार्य को किया जाएगा। झोझूकलां को उप तहसील का दर्जा देने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में सरकार द्वारा गठित कमेटी को आवेदन किया जाए। रैली कार्यक्रम में स-ांसद धर्मवीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास, विधायक सुनील सांगवान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस रैली में दिल्ली से आए पूर्व विधायक सुरेंद्र कमांडो, जिला परिषद चेयरमैन मंदीप डालावास, पूर्व चेयरमैन बबीता फौगाट, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता डांगी ने अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनभागीदारी और पार-दर्शी भर्ती प्रक्रिया से लोगों का विश्वास

> मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनभागीदारी और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से लोगों का विश्वास जीता है। बाढड़ा क्षेत्र में नई अनाज मंडी फायर ब्रिगेड सेंटर और आईटीआई का निर्माण होगा। झोझू कलां को महाग्राम योजना में शामिल किया जाएगा और उप तहसील का दर्जा मिलेगा।

जीता है। बाढड़ा क्षेत्र में नई अनाज मंडी फायर ब्रिगेड सेंटर और आईटीआई का निर्माण होगा। झोझू कलां को महाग्राम योजना में शामिल किया जाएगा और उप तहसील का दर्जा मिलेगा। उन्होंने चरखी-दादरी जिले के विकास के लिए 68 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कलियाना से दादरी सड़क को चार लेन करने की घोषणा करते हुए कहा कि इसकी फिजिबिलिटी चैक करवाकर इस कार्य को किया जाएगा। झोझूकलां को उप तहसील का दर्जा देने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में सरकार द्वारा गठित कमेटी को आवेदन किया जाए। रैली कार्यक्रम में स-ांसद धर्मवीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास, विधायक सुनील सांगवान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस रैली में दिल्ली से आए पूर्व विधायक सुरेंद्र कमांडो, जिला परिषद चेयरमैन मंदीप डालावास, पूर्व चेयरमैन बबीता फौगाट, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता डांगी ने अपने विचार रखे।

सोनीपत में खेल-खेल में आफत में आई बच्चे की जान, निगले 5-10 रुपये के सिक्के, डॉक्टरों ने ऐसे बचाई जान

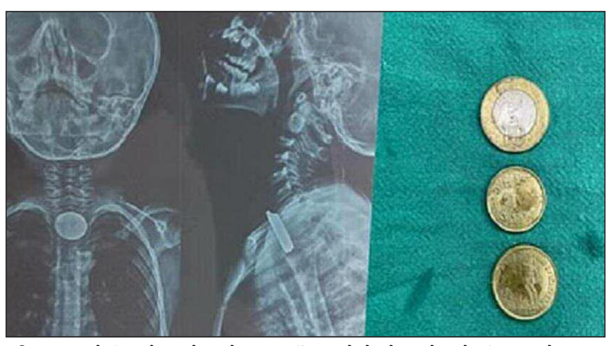

हरियाणा : सोनीपत के रहने वाले 12 वर्षीय बच्चे ने खेल-खेल में तीन सिक्के निगल लिए। जिसके बाद तीनों सिक्के बच्चे की खाने की नली में फंस गए। एक सिक्का दस रुपए और पांच रुपये के दो सिक्के थे। सिक्के खाने के बाद बच्चे को खाने-पीने में दिक्कत होने लगी। बुधवार को उसे दिल्ली के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां एक्सरा हुआ। एक्सरे जांच में तीनों सिक्के खाने की नली में फंसे हुए दिखाई दिए। बच्चे को ऑपरेशन थियेटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने एनेस्थीसिया देकर एसोफैगोस्कापी प्रक्रिया के माध्यम सिक्कों को बाहर निकाला। इस प्रक्रिया में लगभग 40 मिनट का समय लगा। अभी बच्चा बिल्कुल ठीक है। जानें क्या होती है एसोफैगोस्कापी प्रक्रिया एसोफैगोस्कापी प्रक्रिया एंडोस्कोपी की तरह ही होती है। एक पतली ट्यूब मुंह के माध्यम से अंदर डाली जाती है। स्काप के माध्यम से सिक्कों को बाहर निकाला गया।

ऑपरेशन क्लीन के अंतर्गत थाना सैदनगली पर 28 मुकदमाती/लावारिस वाहनों की गई नीलामी

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में जनपद अमरोहा में मुकदमाती, लावारिस एवं एमवी एक्ट के तहत जब्त वाहनों के शीघ्र व पारदर्शी निस्तारण हेतु ऑपरेशन क्लीन अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के निकट पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष थाना सैदनगली के नेतृत्व में गुरुवार को थाना सैदनगली परिसर में एक खुली नीलामी प्रक्रिया का आयोजन किया गया। इस नीलामी में थाना परिसर में खड़े कुल 28 वाहन (जिसमें मुकदमाती 06 वाहन कार 02, दोपहिया 04 और एमवी एक्ट के तहत 22 वाहन झ दोपहिया 19, टेम्पो 02 व एक डीसीएम/छोटा ट्रक) को सम्मिलित किया गया। वाहनों का मूल्यांकन सम्भागीय परिवहन अधिकारी, जनपद अमरोहा द्वारा ड्ट1,42,200 निर्धारित किया गया था। न्यायालय से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के उपरांत, जिलाधिकारी अमरोहा के आदेशों के अनुपालन में नायब तहसीलदार हसनपुर मनोज सिंह की देखरेख में उक्त वाहनों की खुली नीलामी की गई। नीलामी में जनपद के विभिन्न स्थानों से आए कुल 55 बोलीदाताओं ने भाग लिया। कई राउंड की बोली प्रक्रिया के उपरांत छठी बोली में सर्वाधिक राशि 2,40,000 की बोली योगेन्द्र सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी मोहल्ला होलीवाला, कस्बा व थाना हसनपुर द्वारा लगाई गई। उक्त बोली के सापेक्ष वाहनों को नियमानुसार उनके पक्ष में सुपुर्द किया गया, जिससे शासन को मूल्यांकन राशि 1,42,200 की तुलना में अधिक 97,800 की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई।

हरियाणा में ग्रामीणों ने इस हाईवे परटूल प्लाजा कराया फ्री, लोकल वाहनों से शुल्क वसूलने पर फूटा गुस्सा

बहादुरगढ़ : दिल्ली रोहतक नेशनल हाईवे पर स्थित रोहद टोल प्लाजा पर लोकल वाहनों से शुल्क वसूलने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। सांपला के लोगों ने रोहद टोल प्लाजा पर पहुंचकर टोल की सभी लाइन फ्री कर दी। जिसके चलते 2 घंटे से ज्यादा समय तक टोल प्लाजा पर वाहनों से शुल्क नहीं वसूला जा सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया मगर ग्रामीण नहीं माने। सांपला के लोगों का कहना है कि रोहद टोल प्लाजा उनके क्षेत्र से सटा हुआ है। उन्हें रोजाना काम के लिए टोल प्लाजा से होकर गुजरना पड़ता है। टोल प्लाजा पर उन्हें छूट नहीं दी जा रही। उनके प्राइवेट और कमर्शियल वाहनों से दिन में कई बार टोल वसूला जाता है। लोगों

का आरोप है कि टोल के कर्मचारी उनसे बदतमीजी से बात करते हैं और झगड़ा करने पर भी उतारू हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि रोहद टोल प्लाजा पर साथ लगते गांव के वाहनों से टोल नहीं वसूला जाता। सांपला भी टोल के पास ही स्थित है। इसके बावजूद उनके वाहनों से टोल वसूला जा रहा है। लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार टोल प्लाजा के अधिकारियों से इस संबंध में बातचीत की है। मगर कोई समाधान नहीं निकला। इसी के चलते आज रोहद टोल प्लाजा पर वाहनों से शुल्क वसूलने नहीं दिया जा रहा। लोगों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनके लोकल वाहनों से टोल टैक्स वसूली बंद नहीं होगी तब तक वह धरना जारी रखेंगे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास करते रहे। कई दौर की बात चीत के बावजूद भी कोई समाधान नहीं निकला। ग्रामीण अभी भी टोल पर धरना लगाए हुए बैठे हैं और यहां से होकर गुजरने वाले किसी भी वाहन से टोल कर्मचारियों को शुल्क वसूलने नहीं दे रहे। ऐसे में अब देखना यह होगा कि टोल कंपनी और ग्रामीणों के बीच कब तक आपसी सहमति बनती है या फिर यह धरना ऐसे ही जारी रहने वाला है।

अभ्यर्थी पेपर देने से पहले जान लें जरूरी बातें, वरना सेंटर पर हो सकती है परेशानी

हरियाणा : हरियाणा में सीईटी की परीक्षा में कुछ घंटों का ही समय बचा है। सरकार की ओर से इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा चार शिफ्टों में होगी। इस बार नकल रोकने के लिए अनुचित साधन प्रयोग केस लागू किया है एग्जाम 26 और 27 जुलाई को दो-दो शिफ्टों में होगा। 26 जुलाई को पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से 11:45 बजे तक होगी। दूसरी शिफ्ट दोपहर बाद 3:15 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। दूसरे दिन यानी 27 जुलाई को भी एग्जाम का यही शेड्यूल रहेगा। अभ्यर्थी एग्जाम टाइम से 2 घंटे पहले परीक्षा केंद्र पहुंचें, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। अभ्यर्थी केवल एडमिट कार्ड का रंगीन प्रिंट आउट और पहचान पत्र लेकर ही परीक्षा केंद्र में जा सकेंगे। महिलाओं को मंगलसूत्र पहनने की छूट रहेगी। सीईटी एग्जाम सेंटर में पेन-पेपर या पेंसिल लेकर नहीं जाना है। आयोग की ओर से पेन उपलब्ध कराया जाएगा। एग्जाम हॉल में घड़ी पहनने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हर एग्जाम हॉल घड़ी लगाई जाएगी। अभ्यर्थी मोबाइल, ईयर फोन, हैंड वॉच, अंगूठी एग्जाम सेंटर पर नहीं ले जा सकेंगे।एग्जाम के लिए 1 घंटा 45 मिनट का टाइम अभ्यर्थियों के लिए तय किया गया है। एग्जाम में 100 प्रश्न होंगे, प्रत्येक के चार विकल्प होंगे। परीक्षा में नकल या अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर अभ्यर्थी 5 साल तक HSSC का कोई भी एग्जाम नहीं दे पाएगा। अभ्यर्थी एग्जाम में मोबाइल और बैग लेकर आते हैं तो एग्जाम सेंटर के गेट पर या रूम के बाहर उन्हें रखने की सुविधा मिलेगी। हिम्मत सिंह स्पष्ट कर चुके हैं कि अभ्यर्थी परीक्षा के बाद डटफशीट की अभ्यर्थी प्रति और प्रश्न पुस्तिका ले जा सकते हैं। हालांकि चेयरमैन ने यह भी कहा है कि इस बात का ध्यान रखें कि जब तक CET की चारों शिफ्टों के पेपर पूरे नहीं हो जाते, तब तक इसका विश्लेषण न करें।

फरीदाबाद के 40 स्कूलों पर लटकी कार्रवाई की तलवार, सकारात्मक जवाब नहीं देने पर हो सकता है मान्यता रद

फरीदाबाद। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत दाखिला देने में आनाकानी करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर विभाग सख्ती के मूड में है। ऐसे स्कूलों की लिस्ट बनाकर जिला शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षा निदेशालय को भेज दी गई है। इन स्कूलों की मान्यता रद और एनओसी विड्रोल करने की मांग की गई है। अधिकारियों के मुताबिक ऐसे 40 से अधिक स्कूल हैं, जिन्होंने एक भी विद्यार्थी को दाखिला नहीं दिया है। आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों में 25 प्रतिशत सीट आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए आरक्षित करनी होती हैं। योजना के तहत विद्यार्थियों को प्राइवेट स्कूलों में निशुल्क शिक्षा दी जाती है। सरकार विद्यार्थियों की फीस का भुगतान करती है। आरटीई के तहत दाखिला के लिए शैक्षणिक सत्र शुरू होने के करीब चार महीने बाद अभिभावक और बच्चे भटक रहे हैं। जनवरी में दाखिला प्रक्रिया शुरू करनी थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसका प्रमुख कारण प्राइवेट स्कूलों का आरटीई के तहत दाखिला को लेकर उदासीन रवैया है। स्कूलों ने समय पर सीटों की जानकारी नहीं दी थी। बार-

बार बढ़ रही तारीख, कब खत्म होगा इंतजार पिछले महीने निदेशालय ने दाखिला की तारीख बढ़ाते हुए संशोधित शेड्यूल जारी किया था। लिस्ट के आधार पर अलाट स्कूल में अभिभावक 11 जुलाई तक अपने बच्चे का दाखिला करा सकते थे। बची हुई सीटों पर 14 से 18 जुलाई तक वेटिंग लिस्ट के आधार पर दाखिला होने थे। लेकिन अभी तक आलाटमेंट लिस्ट के आधार पर ही दाखिला नहीं हो सके हैं। कुछ स्कूल एक दो बच्चों को दाखिला देकर फार्म में गलती सहित अन्य कारण बताते हुए दाखिला रिजेक्ट कर रहे हैं। जबकि कुछ स्कूलों ने एक भी विद्यार्थियों ने दाखिला नहीं दिया है। इन सभी स्कूलों की सूची तैयार कर निदेशालय को भेज दी गई हैं, इनमें से 40 प्राइवेट स्कूल ऐसे हैं जिन्होंने एक भी बच्चे को दाखिला नहीं दिया है। 'स्कूल और शिक्षा निदेशालय के बीच पिस रहा बच्चों का भविष्य' अभिभावक कोमल सिंह ने बताया कि सेक्टर-19 में प्राइवेट स्कूल ने फार्म यह कहकर रिजेक्ट कर दिया कि स्कूल की घर से दूरी एक किलोमीटर से अधिक

> फरीदाबाद में आरटीई के तहत दाखिला देने में आनाकानी करने वाले निजी स्कूलों पर शिक्षा विभाग सख्त हो गया है। विभाग ने ऐसे 40 से अधिक स्कूलों की सूची शिक्षा निदेशालय को भेजी है जिन्होंने एक भी विद्यार्थी को दाखिला नहीं दिया है। इन स्कूलों की मान्यता रद्द करने और एनओसी वापस लेने की मांग की गई है। दाखिला प्रक्रिया में देरी के कारण अभिभावक परेशान हैं।

है। सिर्फ एक किलोमीटर के दायरे के बच्चों को दाखिला देंगे। जबकि नियम यह कहता है कि तीन किलोमीटर के दायरे तक के विद्यार्थी को दाखिला दे सकते हैं। एक अन्य अभिभावक ने कहा कि एनआइटी के निजी स्कूल ने यह कहकर दाखिला के मना कर दिया कि बच्चे के दस्तावेज में गलती है, सुधार करने का मौका तक नहीं दिया। स्कूल जाने पर ठीक से बात तक नहीं करते हैं। प्राइवेट स्कूल निदेशालय की ओर से अलाट किए गए हैं। यह बिलकुल भी सुनवाई नहीं कर रहे, इससे नुकसान बच्चों की पढ़ाई का हो रहा है। आरटीई के तहत कोई भी प्राइवेट स्कूल बच्चों को दाखिला देने से मना नहीं कर सकता है। यदि कोई प्राइवेट स्कूल फार्म रिजेक्ट करता है तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कारण बताना होगा। लेकिन अभी तक आलाटमेंट लिस्ट के आधार पर ही दाखिला नहीं हो सके हैं। कुछ स्कूल एक दो बच्चों को दाखिला देकर फार्म में गलती सहित अन्य कारण बताते हुए दाखिला रिजेक्ट कर रहे हैं। निदेशालय की ओर से बच्चों को स्कूल अलॉट हुए हैं, जो प्राइवेट स्कूल दाखिला देने में आनाकानी और खानापूरी कर रहे हैं, उनकी लिस्ट निदेशालय को भेजकर मान्यता रद तथा एनओसी विड्रो करने की मांग की गई है।

रेवाड़ी समेत हरियाणा में 26 जुलाई को बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

रेवाड़ी : जिलाधीश अभिषेक मीणा ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक साथ पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा। जिलाधीश ने जिला रेवाड़ी के परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर के क्षेत्र में फोटोस्टेट की दुकानों, जेराक्स, नकल और प्रसारण गतिविधियों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया है साथ ही उन्होंने आदेशों में कहा कि आग्नेयास्त्र, तलवारें, लाठी, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली, गंडासा, चाकू और हथियार जैसे आपराधिक हथियार , पर भी प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल और अन्य लोक सेवकों, विकलांग व्यक्तियों द्वारा लाठी लेकर चलने पर लागू नहीं होंगे। उन्होंने अपने आदेशों में यह भी कहा कि जिला में 27 जुलाई अपराह्न तक सभी कोचिंग संस्थान भी बंद रहेंगे। इन आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 व अन्य अधिनियम /नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

रिमांड के दौरान पिंजौर थाने से पोस्को का मुजरिम फरार, पुलिस विभाग में मचा हड़कंप

चंडीगढ : पुलिस रिमांड के दौरान पिंजौर थाने से पोस्को का मुजरिम फरार होने की सूचना है। आरोपी मोहम्मद तौसीफ आलम पुत्र मोहम्मद रायफुल हुसैन वासी गांव तलवाड़ी थाना दिघलबैंक जिला किशनगंज बिहार मुकदमा नंबर 310 दिनांक 10.7.2024 धारा 1403, 65 ए 3513 बीएस वी धारा 6721 पोक्सो एक्ट खाना पिंजौर में गिरफ्तार किया था जो आज दिनांक 25.7.2025 को बंद हवालात थान से फरार हो गया है। पुलिस रिमांड के दौरान दोषी के फरार होने से पुलिस विभाग में हलचल देखी जा रही है। इस लापरवाही में दोषी अधिकारियों के खिलाफ पुलिस विभाग के आला अधिकारियों द्वारा कार्यवाही भी की जा सकती है।

जींद में बीजेपी नेता के बेटे की हत्या, देर रात बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

जींद : जींद जिले में वीरवार देर रात बदमाशों ने भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष के बेटे और प्राइवेट अस्पताल संचालक डॉ. विकास शर्मा की चाकू से हमला कर दी गई। वारदात उस समय हुई जब विकास अपने साले और एक डॉक्टर दोस्त के साथ घर लौट रहे थे। तीनों लोग रात करीब 11 बजे रामपुरा रोड से गुजर रहे थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन्हें घेर लिया। पहले कहासुनी हुई और फिर बदमाशों ने चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। विकास को गंभीर चोटें आईं और बाद में उनकी मौत हो गई, जबकि दोनों साथी घायल हैं। घटना के बाद घायलों को पानीपत के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने विकास को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है, वहीं परिवार और भाजपा नेता सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। मृतक विकास शर्मा सफीदों के मुआना गांव के रहने वाले थे। वे सफीदों में 'अनुज मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल' चलाते थे। उनके पिता शिवकुमार शर्मा भाजपा के मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं और पार्टी में कई अहम पदों पर भी काम कर चुके हैं। गुरुवार रात विकास अपने साले और लीलावती अस्पताल के डॉक्टर अनिल शर्मा के साथ लौट रहे थे। रामपुरा रोड पर अचानक अज्ञात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। कहासुनी के बाद बदमाशों ने चाकुओं से वार शुरू कर दिए। बदमाशों ने विकास पर चाकू से तीन वार किए, जिनमें से एक उनके दिल पर लगा। ज्यादा खून बहने के कारण ही उनकी मौत हो गई। हालांकि बाकी दोनों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने बताया कि घटना की जांच जारी है।

CET परीक्षा से पहले अब अध्यापकों ने किया विरोध

रोहतक : हरियाणा सरकार व प्रशासन के लिए चुनौती बनी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट यानी CET की परीक्षा में आज का ही दिन बचा है। कल तो परीक्षा है। अब अध्यापकों ने इसका विरोध कर दिया है। अध्यापकों का कहना है जो ड्यूटी उनकी लगाई गई है वह उनके शान के खिलाफ है और वह हर हाल में उएळ की परीक्षा में ड्यूटी नहीं करेंगे। यही नहीं अध्यापकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। हालांकि अधिकारी अध्यापकों को मनाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अध्यापकों ने स्पष्ट कर दिया है कि वह CET की परीक्षा में बसों में ड्यूटी नहीं करेंगे। दरअसल अध्यापकों को जो ड्यूटी मिली है वह उनकी शान के खिलाफ है यह हम नहीं बल्कि खुद अध्यापक संघ कह रहा है। प्राथमिक शिक्षक संघ के तहत अध्यापक CET की परीक्षा में ड्यूटी देने के लिए ट्रेनिंग लेने के लिए रोहतक जिला विकास भवन में आए थे, जिसके तहत अध्यापकों ने ट्रेनिंग के तुरंत बाद जिला विकास भवन के बाहर सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। अध्यापकों का कहना है कि किसी भी सूरत में बसों में ड्यूटी नहीं करेंगे। अध्यापकों की ड्यूटी इसलिए लगाई गई थी ताकि वह परीक्षा केंद्रों तक अभ्यार्थियों को लेकर जाए और उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया जाए। प्राथमिक अध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजवीर कादयान ने कहा कि वो किसी भी सूरत में बसों में ड्यूटी नहीं करेंगे, क्योंकि यह उनकी शान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि उनकी ड्यूटी परीक्षा केंद्रों में लगाई जाती तो बेहतर होता। इससे छोटे बच्चों में संदेश गलत जाएगा। ऐसे में उन्होंने इस परीक्षा का विरोध किया है और वह ड्यूटी नहीं करेंगे। वहीं एक और अध्यापिका रमन ने कहा कि CET की परीक्षा देने वाले अभ्यार्थी इतने भी नादान नहीं है कि उनका हाथ पड़कर बस में चढ़ाया जाए।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अपने नाम किया बड़ा कीर्तिमान, इस मामले में द्रविड़-कैलिस को पछाड़ा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में खेल के तीसरे दिन इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर में एक बड़ा कीर्तिमान हासिल किया है। रूट ने भारत के खिलाफ जैसे ही 31 रन बनाए वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गए।

जो रूट ने राहुल द्रविड़ और जैक कैलिस को एक साथ पीछे छोड़ा और कमाल की उपलब्धि अपने नाम कर ली। जो रूट ने ये उपलब्धि अपने टेस्ट करियर के 157वें मैच में हासिल किया। जो रूट मैनचेस्टर टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के खिलाफ शानदार बैटिंग करते हुए नजर रहे थे और खबर लिखे जाने तक वो 31 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक यानी खबर लिखे जाने तक 13,290 रन बना लिए और वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर की लिस्ट में तीसे नंब पर आ गए। तीसरे नंबर पर इससे पहले साउथ अफ्रीका के दिग्ग बल्लेबाज जैक कैलिस था जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 13,289 रन बनाए थे। अब कैलिस चौथे नंबर पर आ गए हैं जबकि द्रविड़ पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक खेले 157वें मैचों की 286 पारियों में 13,290 रन बनाए हैं। रूट ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 37 शतक और 66 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 50.88 की औसत से ये रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर इस दौरान 262 रन रहा है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है जिन्होंने 15,921 रन बनाए थे जबकि दूसे नंबर पर 13,378 रन के साथ रिकी पोंटिंग मौजूद हैं।

भारतीय महिला क्रिकेटर वेदा कृष्णमूर्ति ने लिया संन्यास, भारत के लिए खेले 124 इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। वेदा ने अपने करियर में 48 वनडे और 76 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। जिनमें उन्होंने क्रमश- 829 और 875 रन बनाए हैं। लेकिन संकेत दिया कि वह किसी अन्य भूमिका में खेल से जुड़ी रहेंगी।

वेदा कृष्णमूर्ति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि, एक छोटे शहर की बडे सपने रखने वाली लड़की से लेकर गर्व से भारतीय टीम की जर्सी पहनने तक। क्रिकेट ने मुझे जो भी सबक, लोग और यादें दीं हैं, उनके लिए आभारी हूं। अब खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है, लेकिन खेल को नहीं। हमेशा भारत के लिए। हमेशा टीम के लिए उपलब्ध रहूंगी।

कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर अर्जुन होयसला से विवाह करने वाली 32 वर्षीय वेदा आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान देश के लिए खेली थीं। उनका आखिरी वनडे अंतर्राष्ट्रीय मैच 2018 में था।

बेन स्टोक्स ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, जैक्स कैलिस और इयान बॉथम के क्लब में हुए शामिल

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट मैच में बेन स्टोक्स ने एक और शानदार प्रदर्शन के साथ क्रिकेट के महान खिलाड़ियो में अपना नाम दर्ज कर लिया है। टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने 72 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ स्टोक्स अब पुरुष टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कम से कम 10 शतक और पांच बार पारी में 5 विकेट लेने वाले केवल चौथे क्रिकेटर बन गए। यह क्रिकेट के खेल में किसी भी ऑलराउंडर के लिए बडी उपलब्धि है। स्टोक्स टेस्ट क्रिकेट में 13 शतक लगा चुके और इस टेस्ट में पांचवी बार पारी में 5 विकेट भी लिए जिससे स्टोक्स की खेल में बल्ले और गेंद दोनो से प्रभावित क्षमता का पता चलता है। इस प्रदर्शन से वह ऑलराउंडर की खास सूची में शामिल हो गए है, जिसमें महान सर गारफील्ड सोबर्स, इंग्लैंड के इयान बॉथम और दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस शामिल है जिनका नाम टेस्ट क्रिकेट में दिग्गज खिलाड़ियो में आता है। एक पारी में पांच से अधिक बार 5 विकेट लेने

और 10 से अधिक शतक बनाने वाले ऑलराउंडरों की सूची में गारफील्ड सोबर्स ने अपने शानदार टेस्ट करियर के दौरान 26 शतक और 6 बार पारी में पांच विकेट लिए। इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज इयान बॉथम ने 14 टेस्ट शतक और 27 बार पारी में पांच विकेट लिए है जो अक्सर अकेले दम पर मैच का रुख बदल दिया। सूची में आगे जैक्स कैलिस ने 45 टेस्ट शतक और 5 बार पारी में पांच विकेट लिए और अब स्टोक्स आंकड़ो के मामले में इन दिग्गजो की सूची में आ चुके है जिससे क्रिकेट के सबसे संपूर्ण खिलाड़ियो के रूप में उनकी पहचान बन गई है। अपने प्रदर्शन की बदौलत स्टोक्स अब तक सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए है, उनके नाम 16 विकेट दर्ज है।

फैक्चर के बावजूद ऋषभ पंत ने लगाया अर्धशतक, पूर्व क्रिकेटर ने कहा- यह पल 50 साल बाद भी याद रहेगा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के उप कप्तान ऋषभ पंत ने साबित कर दिया कि जज़्बा ही असली खेल है। पहले दिन क्रिस वूक्स की यॉर्कर पर रिवर्स स्वीप प्रयास करते समय उनके पैर में चोट लग गई और वह 37* रन पर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर आ गए। लेकिन दूसरे दिन शार्दुल ठाकुर के आउट होने के बाद पंत ने दर्द के बावजूद बल्लेबाजी करने का साहस दिखाया जिसके बाद पूर्व भारतीय खिलाड़ी और विश्लेषक संजय मांजरेकर ने पंत की प्रशंसा की। मांजरेकर ने कहा, 'जब आप इस तरह की चीजें करते हैं, जैसे कि अनिल कुंबले ने जबड़े में पट्टी बांधकर गेंदबाजी की थी तो ये

इतिहास के वो पल होते हैं जिन्हें आप 50 साल बाद भी याद रखते हैं। ये दर्शाता है वो भारत के लिए खेलने को लेकर कितने अधिक समर्पित हैं। टेस्ट क्रिकेट जब इंग्लैंड में खेला जा रहा तो ये बहुत अधिक स्पेशल हो जाता है। एक क्रिकेटर के तौरपर आपके ऊपर बहुत अधिक ध्यान होता है। आप अपना बेस्ट देना चाहते हैं। सफेद गेंद में उनका वैसा प्रभाव नहीं है लेकिन रेड बॉल में पंत किसी भी अन्य फॉर्मेट से ज्यादा प्रभाव छोड़ना चाहते हैं।' संजय मांजरेकर ने आगे कहा, 'वो चोटिल हैं और इस बात को नजरअंदाज मत करिए। अगर किसी दिन उसे बताया जाये कि वो अम्पेयर नहीं हिला सकता तो भी उसका हैंड-आई कोर्डिनेशन इतना अच्छा है कि वो उससे ही हावी हो जाता है। इंग्लैंड को इसके चिंता होगी कि पंत वापस आ गया है।' गौर है कि पंत ने 75 गेंदों में 54 रन की पारी खेली जिसमें उन्होंने एक छक्का भी लगाया। यह उनकी 19वीं टेस्ट फिफ्टी थी हालांकि वह जॉफ्रा आर्चर की शानदार गेंद का शिकार बने। यह पारी टीम के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरी पूर्व भारतीय खिलाड़ी और विश्लेषक संजय मांजरेकर ने इस घटना की तुलना अनिल कुंबले के ब्रोकन जॉ में गेंदबाजी करने वाले इतिहासिक पल से की।

ऋषभ के चोटिल पैर को निशाना बनाने वाले स्टोक्स पर भड़के लोग

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन पैर की अंगुली में फैक्चर के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरे । उनके इस जज्बे की जहां लोगों ने प्रशंसा की और उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया । वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की कड़ी आलोचना की है । स्टोक्स इस मैच में जानबूझकर ऋषभ के चोटिल पैर पर यॉर्कर गेंदें कर रहे थे । वहीं जब ऋषभ ने एक रन लिया तब भी स्टोक्स ने बहुत ही ध्यान से उनके पैर के उस पंजे को देखा जिसमें फैक्चर हुआ था । उन्होंने टूटी उंगली को लक्ष्य कर लगातार यॉर्कर गेंदें फेंकीं । ऋषभ तब भी बिना डरे जमे रहे और उन्होंने एक पैर से खेलते हुए आक्रामक शॉट लगाये । जोफ्रा आर्चर ने भी उनके पैर पर ही निशाना साधार पर इस बल्लेबाजी ने शानदार छक्का लगा दिया । इस प्रकार किसी बल्लेबाज के चोटिल पैर को ही गेंद से टारगेट करने की स्टोक्स की रणनीति की सोशल मीडिया में जमकर आलोचना हुई है । लोगों ने कहा कि खेल है, खेल ही रहने दो । क्या आउट करने के लिए फैक्चर पर ही टारगेट करना जरूरी था ? यह आउट करने की रणनीति थी या विरोधी को जानबूझकर और ज्यादा चोटिल करने की बेहद शर्मनाक कोशिश ? साथ ही कहा कि स्टोक्स ने क्रिकेट भावना, खेल भावना, जेंटलमेन गेम जैसे बातों का अपमान किया है । अभी दो दिन पहले ही पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा था कि इंग्लैंड सहित कुछ टीमें खेल भावना शब्द का इस्तेमाल अपनी सुविधा के अनुसार करती हैं । मैनचेस्टर टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 358 रन बनाए हैं । फैक्चर होने के बावजूद ऋषभ ने दूसरे दिन बल्लेबाजी की और 54 रन बनाकर आउट हुए ।

प्रधानमंत्री मोदी इंग्लैंड दौरे में युवा क्रिकेटरों से मिले

लंदन । भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इंग्लैंड दौरे में समय निकालकर युवा क्रिकेटरों से भी मिले । मोदी जब युवा क्रिकेटरों से मिले रहे थे तो उनके साथ इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी वहां उपस्थित थे । भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें जारी करते हुए लिखा, क्रिकेट का यह रिश्ता अपने शीर्ष पर है । प्रधानमंत्री मोदी ने चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी । गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच लंबे समय से क्रिकेट के मैदान पर कड़ी टक्कर रही हैं । वहीं भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम भी इस समय 5 टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड में ही है । अभी तक इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है । वहीं, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट खेला जा रहा है । वहीं हाल ही में भारतीय महिला टीम ने भी यहां एकदिवसीय और टी20 सीरीज जीती थी । भारतीय अंडर-19टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है । इस टीम ने भी यहं शानदार प्रदर्शन किया है । कई भारतीय खिलाड़ी भी इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते हैं । ठीक इसी तरह इंग्लैंड के कई क्रिकेटर भी आईपीएल में खेलते हैं ।

भारतीय टीम वापसी के लिए आक्रामक क्रिकेट खेले : वॉन

मैनचेस्टर । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है भारतीय टीम को इस सीरीज में वापसी के लिए विराट कोहली की तरह का आक्रामक क्रिकेट खेलना होगा । वॉन ने कहा कि भारतीय टीम को तीसरे दिन के खेल पर सबसे ज्यादा धयान देना होगा । भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाये हैं । वॉन के अनुसार अगर भारतीय टीम तीसरे दिन के खेल पर नियंत्रण बनाने में सफल रही तो उसे जीत मिल सकती है । साथ ही कहा कि कप्तान शुभमन गिल और टीम के लिए ये दिन अभी या कभी नहीं वाला साबित हो सकता है । उसके पास आक्रामक खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है । वॉन ने कहा कि, तीसरे दिन ही सीरीज का फैसला तय होगा । अगर इंग्लैंड का तीसरा दिन अच्छा रहा तो वह सीरीज जीत जाएगी । इसलिए भारतीय कप्तान को विराट कोहली वाली आक्रामक मानसिकता के साथ उतरना होगा । वहीं अगर भारतीय टीम टीम सफल रही तो वह सीरीज में बनी रहेगी । भारतीय गेंदबाज हालांकि अब तक इस मैच प्रभावी साबित नहीं हुए हैं क्योंकि वह विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये । इस मैच से डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज भी कुछ खास नहीं दिखे । टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी प्रभावित नहीं कर पाये। भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में भी 1-2 से पीछे है ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगस्त में चार मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जो 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेली जाएगी। यह श्रृंखला बेहद प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है, जिसमें आठवें स्थान पर काबिज भारत का सामना छठे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएँगे।

दोनों टीमें हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में आमने-सामने हुई थीं, जहाँ ऑस्ट्रेलिया ने दोनों चरणों में भारत को 3-2 से हराया था। हालाँकि, भारत ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलंपिक में कूकाबुरास पर 3-2 से

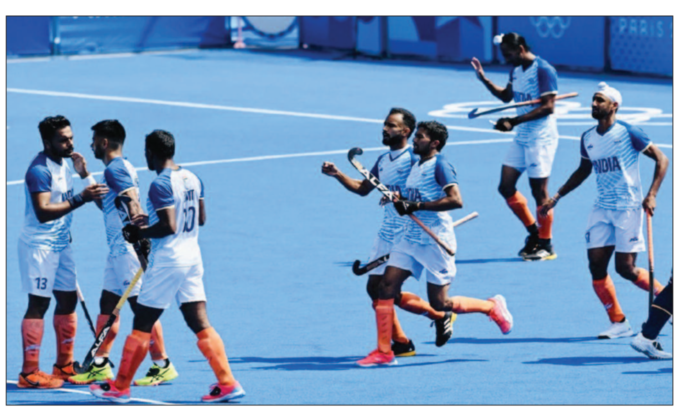

यादगार जीत दर्ज की थी - 1972 म्यूनिख खेलों के बाद ऑस्ट्रेलिया पर उनकी पहली ओलंपिक जीत।

हालाँकि हाल के मुकाबलों में कड़ी टक्कर देखने को मिली है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने ऐतिहासिक रूप से इस प्रतिद्वंद्विता में बढ़त बनाए रखी है और 2013 से दोनों टीमों के बीच खेले गए 51 मैचों में से 35 में जीत हासिल की है। भारत ने नौ बार जीत हासिल की है, जबकि सात मैच ड्रॉ रहे हैं। यह श्रृंखला 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप 2025 से पहले भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तैयारी का काम करेगी। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए सीधे क्वालीफिकेशन स्थान प्रदान करता है, जिससे ऑस्ट्रेलिया दौरा भारत की तैयारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन जाता है।

यश पर अब एक नाबालिग ने लगाया बलात्कार का आरोप

मुम्बई (ईएमएस) । क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं । पहले ही यौन शोषण मामले में फंसे यश पर अब जयपुर में एक नाबालिग ने रेप का आरोप लगाया है । आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेटर यश पर इससे पहले गाजियाबाद में एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था । इस मामले में वह कानूनी कार्यवाही का सामना कर रहे हैं हालांकि वह अभी तक गिरफ्तारी से बचे हुए हैं। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हाल ही में गाजियाबाद मामले में यश की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी पर अब जयपुर में उनके खिलाफ जो मामला दायर हुआ है उससे उनका करियर भी खतरे में आ गया है। उनपर 17 साल की नाबालिग लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया है । एक रिपोर्ट के अनुसार, यश के खिलाफ सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में नाबालिग पीड़िता द्वारा बलात्कार के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट में नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया है कि यश ने पेशेवर क्रिकेट में बेहतर भविष्य का वादा करते हुए उसका दो साल तक शोषित किया । रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता क्रिकेट के जरिये ही यश के संपर्क में आयी थी । ऐसे में यश ने उसे बेहतर क्रिकेट करियर बनाने का झांसा देते हुए दो साल तक बलात्कार किया । रिपोर्ट में आईपीएल 2025 का भी जिक्र करते हुए कहा गया है कि यश दयाल ने जयपुर में हुए मैच के दौरान पीड़िता को एक होटल में बुलाया और उसका शोषण किया । लंबे समय तक चुप्पी, भावनात्मक ब्लैकमेल और शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न के बाद पीड़िता ने अंत में उसके खिलाफ आधिकारिक तौर पर शिकायत दर्ज कराई है ।. जयपुर पुलिस ने आगे बताया कि जब बलात्कार की पहली घटना तब हुई थी जब पीड़िता 17 साल की नाबालिग थी, इसलिए यश के खिलाफ पास्को अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है । इसमें दोषी पाये जाने पर यश को लंबे समय की सजा होना तय है ।

बीसीसीआई से हुए बाहर तो इस टीम ने अभिषेक नायर को बनाया कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वॉरियर्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने जॉन लुईस की जगह ली है, जो पिछले तीन सीजन से इस भूमिका में थे। टीम ने लगातार दो सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद बदलाव की राह चुनी है। नायर के कोचिंग अनुभव और खिलाड़ियों को संवारने की उनकी खासियत ने टीम मैनेजमेंट को प्रभावित किया।

अभिषेक नायर का कोचिंग करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। 2018 में केकेआर के साथ कोचिंग की शुरुआत करने वाले नायर ने बाद में ष्ब्क्ष्में त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कोच की भूमिका भी निभाई। आईपीएल 2024 में उन्होंने केकेआर को तीसरी बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद वह भारतीय टीम के सहायक कोच बने, हालांकि, उनका कार्यकाल लंबा नहीं रहा और वो फिर से केकेआर के कोचिंग स्टाफ में लौट गए।

वहीं यूपी वॉरियर्स के सीओओ क्षेमल वाइंगणकर ने कहा कि, अभिषेक जैसा अनुभव और विजयी सोच वाला कोच मिलना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। पिछले 18 महीनों में वे तीन अलग-अंग टीमों को चैंपियन बना चुके हैं। हमें विश्वास है कि वह यूपी वॉरियर्स को भी एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे।

हालांकि, ये पहली बार होगा जब नायर किसी महिला टीम के कोच बने हैं। लेकिन 2023 में उन्होंने बेंगलुरु में यूपी वॉरियर्स के लिए एक हफ्ते का कैंप भी आयोजित किया था। वे पहले भी रोहित शर्मा, दिनेश कार्तिक, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों के करियर में नई जान फूंक चुके हैं।

अगले माह होगा रोमन रेंस और जे उसो का ब्रेकर और ब्रॉन्सन से मुकाबला

सेन डियागो । डब्ल्यू डब्ल्यूई में अगले महा अगस्त में रेसलर रोमन रेंस और जे उसो की टीम का मुकाबला ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड से होगा । यह मुकाबला 2 या 3 अगस्त को समरस्लैम में होगा । पॉल हेमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करके इस मुकाबले के बारे में बताया है । उन्होंने रोमन रेंस और जे उसो को चेतावनी भी दी है । हेमैन ने रोमन रेंस को चेतावनी देते हुए कहा है कि यह मुकाबला उनके लिए बेहद कठिन रहेगा । हेमैन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया । इस वीडियो में उन्होंने कहा, रोमन किसी भी दिन मुकाबला करें उससे फर्क नहीं पड़ेगा । ब्रॉन ब्रेकर और ब्रॉन्सन रीड की ओर से रोमन रेंस और जे उसो ने मुकाबले की चुनौती स्वीकार की है। रोमन ने इससे पहले हेमैन का मजाक उड़ाया था । उन्होंने कहा था कि हेमैन ने उन्हें द ट्राइबल चीफ नहीं बनाया है । रेंस ने कहा कि वह द ट्राइबल चीफ इसलिए हैं क्योंकि फैंस उन्हें अभी भी मानते हैं । इसके बाद ब्रॉन ब्रेकर ने कहा कि वह यहां के नए बिग डॉग हैं । रेंस और ब्रेकर के बीच मारपीट भी हुई थी । जे उसो ने आकर रोमनको बचाया । इसके बाद रेंस ने समरस्लैम के लिए चुनौती दी । जे उसो इस मुकाबले में रोमन रेंस के पार्टनर होंगे ।

मैनचेस्टर टेस्ट में अपने गेंदबाजी प्रदर्शन से संतुष्ट नही अंशुल कंबोज, कहा- मैं सुधार की कोशिश करूंगा

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज अपनी गेंदबाजी से संतुष्ट नही है। डेब्यू करने वाले इस गेंदबाज ने 94 रन बना चुके बेन डकेट का बड़ा विकेट जरूर लिया, लेकिन वह महंगे साबित हुए और अपने 10 ओवर के स्पेल में 48 रन लुटा दिए। 24 वर्ष के इस गेंदबाज को चौथे टेस्ट के लिए आकाश दीप की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया जो कमर की चोट से जूझ रहे है।

कंबोज ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा महसूस हुआ। मेरा ध्यान सही जगह पर गेंद डालने पर था। यही मेरी शुरुआत से योजना थी। कुछ गेंदे अच्छी लगी, कुछ नहीं। सच कहूँ तो, मैं अभी भी अपनी गेंदबाजी से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूँ। मैं कल सुधार करने और बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूँगा।'

कंबोज ने आगे कहा, 'मैंने अपने पहले दो स्पेल में ज़्यादा मेहनत करने की कोशिश की। तीसरे स्पेल में, मैंने अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित किया और अपने क्षेत्रों में टिके रहे। कल, हम फिर से अच्छे क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की कोशिश करेंगे और उन्हें जल्द से जल्द आउट करने की कोशिश करेंगे। मुख्य बात बाउंड्री को सीमित करना होगा क्योंकि वे सिंगल लेने के बजाय चौके मारने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करते दिख रहे हैं।'

गौर है कि अपनी पहली पारी 358 रनों पर समाप्त करने के बाद टीम इंडिया को पहली पारी में गेंदबाजी में संघर्ष करते देखा गया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही पारी को संभाला। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 166 रनों की ओपनिंग साझेदारी की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने क्रॉली को 84 रन पर आउट कर दिया। 39वें ओवर में अंशुल कंबोज ने डकेट को 94 रन पर आउट करके अपना पहला टेस्ट विकेट लिया। लेकिन यह काफी नहीं था। भारतीय के अग्रणी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विकेट नहीं मिला जो भारतीय टीम के लिए दिल तोड़ने वाला था। उधर इंग्लैंड ने दूसरे दिन दबदबा बनाते हुए दिन के अंत तक स्कोर 225/2 किया।

करण वीर मेहरा को मिलेगा डॉन 3 में विलेन का रोल!

अभिनेता और बिग बॉस 18 के विजेता करण वीर मेहरा को मशहूर निर्माता कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। खबर है कि करण को आने वाली फिल्म डॉन 3 में खलनायक की भूमिका में लेने के लिए विचार किया जा रहा है। यह रोल पहले विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद यह मौका करण को मिल सकता है। इंडस्ट्री के एक करीबी सूत्र ने बताया, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में फिल्म सिला से उनका फर्स्ट लुक सामने आया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ऐसे में उन्हें डॉन 3 में विलेन रोल के लिए अप्रोच किया जा सकता है।

फरहान अख्तर निर्देशित डॉन 3 इस लोकप्रिय एक्शन फेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज की संभावना दिसंबर 2026 तक है। यह फैंचाइजी 1978 में बनी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म डॉन से शुरू हुई थी। इसके बाद 2011 में इसके रीमेक डॉन – द चेज़ बिगिन्स में शाहरुख खान लीड एक्टर के तौर पर नजर आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वर्तमान में मैरी कॉम और सरबजीत जैसी दमदार फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर उमंग कुमार निर्देशित सिला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह जहराक नाम के विलेन का खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें वह खून से लथपथ, लंबे उलझे बाल और हाथ में तलवार लिए नजर आए। इस लुक को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि सादिया फिल्म रक्षा बंधन में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी।

सिला को जी स्टूडियोज की ओर से दिखाया जायेगा। इसे ब्लू लोटस पिक्चर्स और स्टार्क एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है। साथ ही इनोवेशन्स इंडिया भी इस फिल्म में जुड़ा है। डॉन 3 में करण वीर मेहरा की एंट्री दर्शकों के लिए एक नया रोमांच लेकर आ सकती है। फैंस फिल्म से जुड़ी आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं।

राणा नायडू के पहले सीजन में अदिति हुई थीं रिजेक्ट, दूसरे में बनीं स्टंट वुमन

एक्ट्रेस अदिति शेट्टी इन दिनों वेब सीरीज राणा नायडू के सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इसमें उन्होंने तसनीम का किरदार निभाया है, जो एक शक्तिशाली महिला का रोल है। आदिति ने बातचीत के दौरान बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने क्या-क्या तैयारी की।

वेब सीरीज राणा नायडू में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

राणा नायडू वेब सीरीज में काम करने का अनुभव मेरे लिए बेहद खास और यादगार रहा। यह मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। पूरी टीम बहुत ही अच्छी और प्रोफेशनल है। अगर कलाकारों की बात करूं तो राणा दग्गुबाती, सुशांत सिंह, अर्जुन रामपाल और अभिषेक बनर्जी जैसे शानदार अभिनेताओं के साथ काम करना मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात थी। मैंने इन सभी से बहुत कुछ सीखा। कुल मिलाकर मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा था।

तसनीम का किरदार आपकी रियल लाइफ पर्सनैलिटी से कितना मेल खाता है या फिर कितना अलग है?

आदिति और तसनीम एक-दूसरे से काफी अलग हैं। मैं असल जिंदगी में बहुत तेज-तेज और जल्दबाजी में बोलने वाली हूं, जबकि तसनीम बहुत ठहरकर, सोच-समझकर बात करती है। जब तसनीम कुछ कहती है, तो लोग उसे ध्यान से सुनते हैं। तसनीम बहुत मुंहफट और स्ट्रेट फॉरवर्ड है। उसे पता है कि अपना काम दूसरों से कैसे निकलवाना है और वह किसी के सामने झुकती नहीं। जबकि मैं असल जिंदगी में थोड़ी अलग हूं।

अपने किरदार के बारे में क्या कहेंगी?

इस सीरीज में मैं तसनीम का किरदार निभा रही हूं, जो एक स्टंट वुमन है। यह किरदार एक बहुत ही मजबूत और आत्मनिर्भर महिला का है। तसनीम राणा के वर्ल्ड में उन चुनिंदा महिलाओं में से एक है जो किसी के सामने भी डटकर खड़ी हो सकती है और जो अपने हक के लिए लड़ सकती है। मुझे यह किरदार इसीलिए भी खास लगा क्योंकि यह न केवल फिजिकली स्ट्रॉन्ग है, बल्कि इमोशनली भी बहुत ग्राउंडेड है। एक और खूबसूरत पहलू यह है कि मेरे और अभिषेक बनर्जी के किरदार के बीच एक बेहद प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई गई है। जहां पूरी सीरीज में एक्शन और इंटेंस ड्रामा है, वहीं यह लव स्टोरी दर्शकों को एक इमोशनल कनेक्शन भी देती है, जो आज के समय में बहुत कम देखने को मिलती है।

राणा दग्गुबाती के साथ एक्शन सीन करते समय आपको कितनी नर्वसनेस हुई? क्या कोई मोटिवेशन मिला?

जब मुझे पता चला कि मेरा राणा दग्गुबाती सर के साथ वन-ऑन-वन एक्शन सीन है, तो मैं बहुत खुश थी, लेकिन उतनी ही नर्वस भी। मन में कई सवाल थे। कैसे करूंगी, क्या ठीक से कर पाऊंगी। लेकिन जैसे ही मैं सेट पर पहुंची, सब कुछ अपने आप ही आसान हो गया। राणा सर ने माहौल इतना नॉर्मल बना दिया था कि नर्वसनेस धीरे-धीरे खत्म हो गई। वो सेट पर बहुत शांत और सहयोगी थे। उन्होंने कभी मुझे ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई हूं या कुछ गलत कर रही हूं।

आपको पहले सीजन में रिजेक्शन मिला। अब जब आप दूसरे सीजन का हिस्सा हैं, तो कैसा लग रहा है?

देखिए, रिजेक्शन किसी को भी अच्छा नहीं लगता मुझे भी नहीं लगा था। हां, थोड़ी निराशा जरूर हुई थी, क्योंकि मैं पहले सीजन का हिस्सा बनना चाहती थी। लेकिन मैं ये भी समझती हूं कि हर ऑडिशन में सिलेक्शन नहीं होता। ये प्रोसेस का हिस्सा है और इससे सीख मिलती है। जब मुझे पता चला कि इसका दूसरा सीजन आ रहा है, तो मैं बिना किसी झिझक के फिर से ऑडिशन देने पहुंच गई। इस बार मेरा सिलेक्शन हुआ और मुझे एक बेहतरीन किरदार निभाने का मौका मिला।

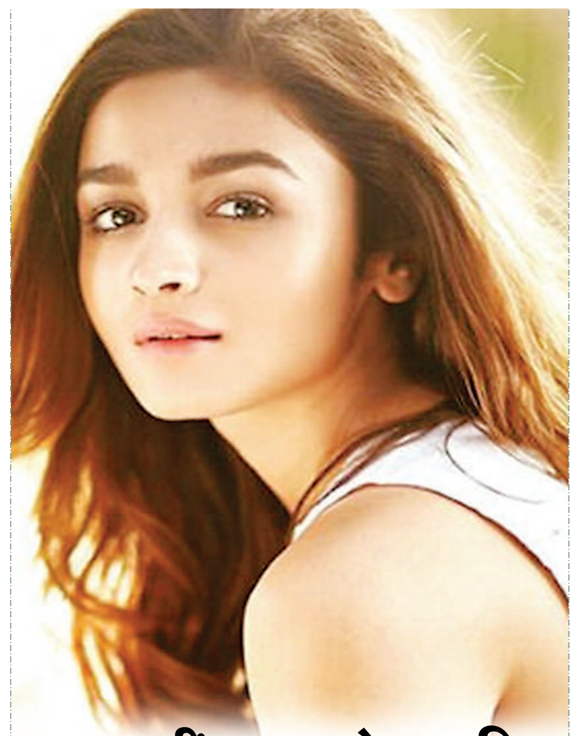

राम नहीं, रावण के नजरिए से बनेगी रामायण, आलिया निभाएंगी सीता का रोल?

फिल्म निर्माता नितेश तिवारी ने अपनी फिल्म रामायण का एलान कर दिया है। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होने वाली है। इस पर अभी काम चल रहा है। अभिनेता विष्णु मांचू ने भी हाल ही में खुलासा किया है कि उनके पास भी एक स्क्रिप्ट तैयार है। लेकिन, रामायण का उनका संस्करण रावण के जीवन पर केंद्रित है। बातचीत में विष्णु मांचू से पूछा गया कि वह कहानी के हिसाब से किसे कास्ट करेंगे। इस पर उन्होंने कहा भगवान राम की भूमिका के लिए मेरे दिमाग में सबसे पहले अभिनेता सूर्या का नाम आता है। सीता की भूमिका के लिए, उन्होंने आलिया भट्ट को चुना।

स्क्रिप्ट तैयार है लेकिन किरदार नहीं हैं

उन्होंने खुलासा किया मेरे पास रावण के बारे में एक स्क्रिप्ट पहले से ही है। इसमें उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक की कहानी है। उसी के लिए, मैंने 2009 में सूर्या से राम का किरदार निभाने के लिए संपर्क किया था। हालांकि बजट मेरे हिसाब से ठीक नहीं था, इसलिए बात नहीं बन पाई। फिल्म का निर्देशन राघवेंद्र राव करने वाले थे। मेरे पिता रावण का किरदार निभाने वाले थे। मेरे पास इसकी स्क्रिप्ट और संवाद तैयार हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कभी इसे निभा पाऊंगा या नहीं।

क्या तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया के साथ रिलेशनशिप किया कन्फर्म?

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया एक बार फिर अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर सुर्खियों में हैं। तारा और वीर पहाड़िया के बीच की नजदीकियां एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई हैं। अब वीर का एक कमेंट दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों को हवा दे रहा है। दरअसल एक दिन पहले तारा सुतारिया ने पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के साथ एक तस्वीर शेयर की हैं, जिस पर वीर पहाड़िया ने एक प्यारा सा कमेंट किया। तारा के लेटेस्ट पोस्ट पर वीर ने 'माय लव' लिखते हुए कमेंट किया, जिसके जवाब में तारा ने रिप्लाई देते हुए 'माइन' लिखा। दोनों के बीच इस बातचीत को देखकर फैंस को ये समझने में ज्यादा देर नहीं लगी कि दोनों शायद अपने रिलेशनशिप की तरफ इशारा कर रहे हैं। कई लोगों ने तो ये भी कहा कि अब फाइनली दोनों ने अपने रिश्ते को पब्लिकली एक्सेप्ट कर लिया है।

तारा का एपी के साथ नया गाना

तारा सुतारिया की ये पोस्ट उनके नए गाने 'थोड़ी सी दारू' से जुड़ी थी, जिसमें वो एपी ढिल्लों के साथ नजर आ रही हैं। फोटोशूट की इन रोमांटिक तस्वीरों को जहां कई फैंस ने पसंद किया, वहीं वीर पहाड़िया के कमेंट ने सबका ध्यान खींच लिया। वीर के प्यार भरे कमेंट पर तारा के जवाब ने भी फैंस का ध्यान खींचा।

दोनों के बीच डेटिंग की अटकलें

गौरतलब है कि तारा और वीर को कुछ समय पहले मुंबई के एक स्पेनिश रेस्टोरेंट से साथ निकलते हुए स्पॉट किया गया था। तभी से दोनों के बीच रिलेशनशिप की अटकलें तेज हो गई थीं। पहले तारा का नाम एपी ढिल्लों के साथ भी जुड़ा था, लेकिन अब सोशल मीडिया पर वीर पहाड़िया के साथ उनके इस मोमेंट ने काफी कुछ साफ कर दिया है।

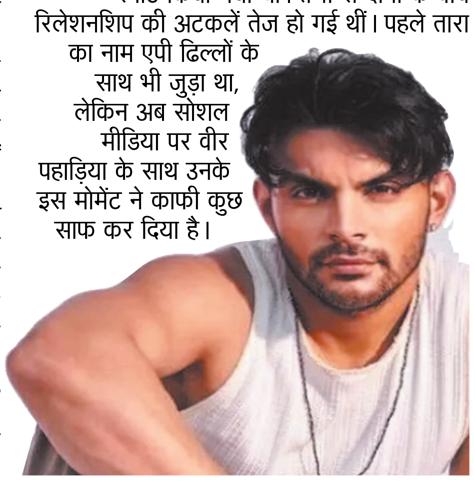

मिट्टी में मेरा किरदार राघव बिल्कुल मेरे जैसा है

एक्टर इश्वाक सिंह इन दिनों वेब सीरीज मिट्टी में राघव का किरदार निभाने को लेकर चर्चाओं में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें असल जिंदगी और शो में अपने किरदार की कहानी के बीच कुछ समानताएं महसूस होती हैं। जब इश्वाक सिंह से पूछा गया कि राघव का किरदार उनके लिए इतना खास क्यों है, तो उन्होंने कहा कि राघव की कहानी में कई बातें ऐसी थीं, जो उन्हें अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती लगीं। सबसे पहली और अहम बात जो उन्हें राघव से जोड़ती है, वो है उनका अपने गांव और परिवार से गहरा जुड़ाव। उन्होंने शो के बारे में कहा, जब मैंने मिट्टी की कहानी पढ़ी, तो यह मेरे दिल को छू गई। ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं, जो व्यक्तिगत भी हों और सबके लिए मायने भी रखें। मिट्टी की कहानी इंसान और उसके गांव के बीच खास रिश्ते पर आधारित है। सीरीज की कहानी राघव के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक बड़े शहर में काम करने वाला सफल एडवरटाइजिंग एग्जीक्यूटिव है। शो में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब वह अपने दादाजी के लिए गांव लौटता है।

सिनेमा के रखवाले अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2025 के रद्द होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक क्रूर विडंबना बताया कि सिनेमा के रखवाले अपने ही एक फिल्म फेस्टिवल को जीवित रखने में नाकाम रहे।

निर्माता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह कितनी अजीब विडंबना है कि भारत की आर्थिक और फिल्मी राजधानी मुंबई, जो अपनी चकाचौंध के लिए जानी जाती है, खुद अपना एक फिल्म समारोह भी कायम नहीं रख पाई। सिनेमा के तथाकथित रखवाले, जो सिर्फ चमक-दमक वाले मंचों और सुरक्षित दांवों की तलाश में रहते हैं, उन्होंने इसे कुछ जुनूनी लोगों के भरोसे छोड़ दिया, न कोई समारोह है, न कोई गुस्सा। बस एक धीमी, खामोश, गुमनामी। जिसे हमारी संस्कृति का एक मजबूत स्तंभ होना चाहिए था, वह अब बस एक फुटनोट बनकर रह गया है। प्रगति के नाम पर उपेक्षा का एक और शिकार। मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल लगभग तीन दशकों से फिल्म जगत में एक प्रमुख स्थान रखता है। हालांकि, आयोजकों ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इस साल के महोत्सव के रद्द होने की जानकारी दी। महोत्सव के निर्देशक शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने लिखा, आपको सूचित करता हूं कि मामी मुंबई फिल्म महोत्सव 2025 का संस्करण इस साल आयोजित नहीं किया जाएगा। हम एक महोत्सव को नई टीम के साथ नया रूप देने की प्रक्रिया में हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह महोत्सव भारत और दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ स्वतंत्र, क्षेत्रीय और क्लासिक सिनेमा के एक प्रमुख प्रदर्शन के रूप में लौटे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वे अगले साल महोत्सव के एक नए संस्करण के साथ वापस आएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम महोत्सव को पुनर्निर्धारित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं और 2026 संस्करण की नई तारीखों की घोषणा जल्द से जल्द करेंगे।

सारा अली खान के साथ अपनी केमिस्ट्री पर आदित्य रॉय कपूर का खुलासा

आदित्य रॉय कपूर अपनी नई फिल्म मेट्रो इन दिनों की सफलता से खुश हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी सह-कलाकार सारा अली खान के साथ अपनी दोस्ती और फिल्म की शूटिंग और प्रमोशन के अनुभव को शेयर किया। बातचीत के दौरान आदित्य ने बताया कि उनकी और सारा की केमिस्ट्री स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री बनाना संभव नहीं है, यह अपने आप बनती है। अच्छी कहानी और निर्देशक इसमें मदद करते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम पहले एक-दूसरे को ज्यादा नहीं जानते थे। सामाजिक तौर पर थोड़ा-बहुत परिचय था, लेकिन फिल्म के सेट और प्रमोशन के दौरान हमने एक-दूसरे को बेहतर समझा। प्रमोशन के समय हमने साथ में ज्यादा वक्त बिताया और एक-दूसरे के बारे में बहुत कुछ सीखा।

आदित्य ने थिएटर और ओटीटी को किया कंपेयर

आदित्य को थिएटर और ओटीटी दोनों में काम करना पसंद है, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होने का रोमांच अलग है। उन्होंने कहा, निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करना शानदार रहा। लूडो के बाद इस फिल्म में उनके साथ फिर से काम करना रोमांचक था। उन्होंने बताया कि थिएटर में फिल्म का प्रदर्शन सभी के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन आखिर में फिल्म का आनंद ही सबसे जरूरी है। ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में थोड़ा ज्यादा आराम मिलता है, लेकिन थिएटर का अनुभव अनोखा है।

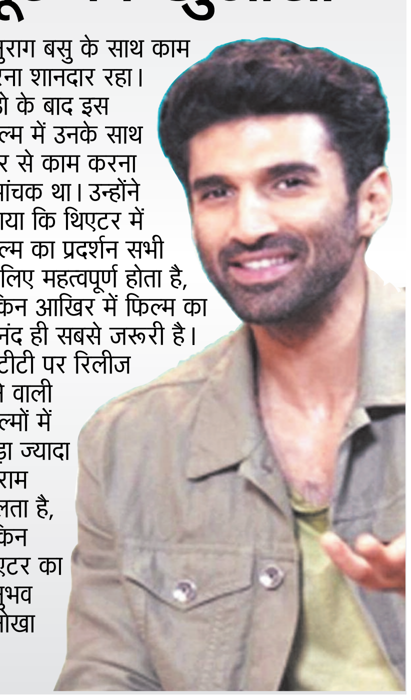

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।